RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 34 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री

शनिवार 20 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :08 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 20 बजे

www.khabariyal.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 मणिपुर की उलझन व प्रधानमंत्री का आगमन

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 336 | गाजियाबाद, शनिवार 20 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

मोदी और यूनानी प्रधानमंत्री ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷ । यूनान के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से टेलीफोन पर बात की और इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-यूनान रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मज़बूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नौवहन, रक्षा, सुरक्षा, संपर्क और लोगों के बीच संबंधों जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति का स्वागत किया और भारत-यूनान रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मित्सोताकिस ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र समापन और 2026 में भारत द्वारा आयोजित एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए यूनान का समर्थन दोहराया। दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने भविष्य में संपर्क में बने रहने पर सहमति भी व्यक्त की।

जम्मू-कश्मीर के दो समूहों पर केंद्र का प्रतिबंध बरकरार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷ । दिल्ली हाईकोर्ट के दो न्यायाधिकरणों ने कश्मीर के प्रभावशाली मौलवी मीरवाइज उमर फारूक व शिया नेता मसरूर अब्बास अंसारी के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन की अवामी एक्शन कमेटी पर केंद्र द्वारा लगाए प्रतिबंध को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की अध्यक्षता वाले न्यायाधिकरणों ने कहा कि उनके समक्ष पेश सामग्री व साक्ष्यों के आधार पर दोनों समूहों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत गैरकानूनी संगठन घोषित करने का पर्याप्त औचित्य है। न्यायाधिकरण द्वारा जारी समान आदेश में कहा गया कि यह न्यायाधिकरण, गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम एवं उसके नियमों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए इन संगठनों को गैरकानूनी घोषित किया जा रहा है। इससे पहले 11 मार्च को दोनों संगठनों को प्रतिबंधित घोषित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) व जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त हैं जो देश की अखंडता, संप्रभुता व सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं। इसलिए इन्हें प्रतिबंधित किया जा रहा है।

पतंजलि ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷ । पतंजलि आयुर्वेद ने शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख कर उस आदेश को चुनौती दी जिसमें उसे डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ अपमानजनक विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया गया था। न्यायमूर्ति सी. हरिशंकर व न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि यह सामान्य अपमान का मामला है। पतंजलि द्वारा दिए गए बयान प्रतिवादी डाबर के लिए एक स्पष्ट संदर्भ हैं। हाईकोर्ट ने पतंजलि को चेतावनी दी कि यदि उसे यह बेकार अपील लगी तो वह उस पर जुर्माना लगाएगा। पीठ ने पतंजलि के वकील से कहा कि आपने कहा है कि 40 जड़ी-बूटियों से बने साधारण च्यवनप्राश से संतुष्ट क्यों हों। पीठ ने कहा कि जब आपने 40 जड़ी-बूटी शब्द का प्रयोग किया है, तो यह स्पष्ट रूप से प्रतिवादी डाबर की ओर इशारा करता है। आप कहना चाहते हैं कि च्यवनप्राश साधारण है। जबकि पंतजलि उत्कृष्ट है। पीठ ने कहा कि एकल जज ने विज्ञापन को अपमानजनक माना है। यह एक अंतरिम आदेश है। कोई कारण नहीं है कि खंडपीठ को इस संबंध में विवेकाधीन आदेश पर विचार करना चाहिए। पतंजलि के वकील ने पीठ से आग्रह किया कि उन्हें अपने मुवक्किलों के साथ बैठकर मामले पर चर्चा करने के लिए कुछ समय दिया जाए, जिसके बाद पीठ ने अपील पर सुनवाई के लिए 23 सितंबर की तारीख तय कर दी।

बीआरएस तथा निजी कंपनी को डाटा देने वाले

चुनाव आयोग को हमसे परहेज क्यों : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने कहा है कि चुनाव आयोग जब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) तथा एक निजी कंपनी को डाटा दे सकता है तो कांग्रेस को यह डाटा देने में परहेज क्यों किया जा रहा है।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने आधिकारिक पेज में आयोग से सवाल किया है कि चुनाव आयोग से बार-बार डाटा मांगा जा रहा है लेकिन आयोग पार्टी को डाटा नहीं दे रहा है जबकि इससे पहले वह बीआरएस तथा एक निजी कंपनी को डाटा उपलब्ध करा चुका है। आयोग ने इस निजी कंपनी को पेंशनर लाइव वेरिफिकेशन के लिए यह डाटा सौंपा था।

पार्टी ने सवाल किया, "चुनाव आयोग ने तेलंगाना की बीआरएस सरकार और प्राइवेट कंपनी को वोटरों का डेटा दिया था। इसमें वोटरों की तस्वीर और उनका पता शामिल था।

तेलंगाना सरकार ने 2019 में 'पेंशनर लाइव वेरिफिकेशन सिस्टम' लॉन्च किया था और इस काम को एक प्राइवेट कंपनी को सौंपा गया था। इसी काम के लिए चुनाव आयोग ने वोटरों का डेटा साझा किया था। ये जानकारी रिपोर्टर्स कलेक्टिव की एक रिपोर्ट में सामने आयी है।" कांग्रेस ने कहा कि एक तरफ मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोटरों का डेटा देने में बहानेबाजी कर रहे हैं तो दूसरी तरफ चुनाव आयोग पहले ही वोटरों का डेटा एक प्राइवेट कंपनी और एक राजनीतिक पार्टी उसकी सरकार की पेंशन योजना के लिए सौंप चुका है। पार्टी ने कहा, "देश में 'वोट चोरी' का मुद्दा सबसे अहम है और जनता चुनाव आयोग से निष्पक्षता की उम्मीद करती है। हम लगातार चुनाव आयोग से वोटरों का डेटा मांग रहे हैं, ताकि उसकी निष्पक्ष जांच हो और 'वोट चोरी' रोकी जा सके। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को ये डेटा साझा करना चाहिए, वरना देश की जनता ये मानेगी कि ज्ञानेश कुमार वोट चोरों का साथ दे रहे हैं, उनकी रक्षा कर रहे हैं।"

जीएसटी सुधार जीवन और व्यापार में सुगमता को बढ़ाएंगे : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि नए जीएसटी सुधार केवल तकनीकी बदलाव नहीं हैं, बल्कि जीवन, व्यापार और निवेश में सुगमता को बढ़ाने के लिए साहसिक कदम हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "नए जीएसटी सुधार रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों और पैकेजिंग पर टैक्स कम करके किराने के सामान को ज्यादा किफायती बनाते हैं और एमएसएमई को बढ़ावा देते हैं। साथ ही, इससे किसानों को भी समर्थन मिलता है और भारत की वैश्विक खाद्य प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होता हैं।"

यूनानी पीएम ने रणनीतिक साझेदारी मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

यूनान के पीएम किरियाकोस मित्सोताकिस ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से टेलीफोन पर बात की और इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-यूनान रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मज़बूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नौवहन, रक्षा, सुरक्षा, संपर्क और लोगों के बीच संबंधों जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति का स्वागत किया और भारत-यूनान रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मित्सोताकिस ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र समापन और 2026 में भारत द्वारा आयोजित एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए यूनान का समर्थन दोहराया।

दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने भविष्य में संपर्क में बने रहने पर सहमति भी व्यक्त की।

पार्टी के आंतरिक कलह के बीच सोनिया और राहुल गांधी पहुँचे वायनाड

✷ वेबवार्ता. वायनाड ✷

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी पार्टी में आंतरिक कलह के कारण उत्पन्न संकट के बीच दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को वायनाड पहुंचे।

कांग्रेस नेता सुबह करीब दस बजे एक चार्टर्ड विमान से मलप्पुरम जिले के करीपुर हवाई अड्डे पर उतरे। बाद में वे हेलीकॉप्टर से वायनाड पहुँचे और करीब पौने ग्यारह बजे पदिंजराथरा स्कूल मैदान में उतरे। सांसद प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) के अध्यक्ष सनी जोसेफ और अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। आगामी स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों की रणनीति तैयार करने के लिए नेता कांग्रेस के प्रमुख नेताओं और केपीसीसी अध्यक्ष के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे।

श्री गांधी और श्रीमती सोनिया गांधी का दौरा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के 10-दिवसीय जन सम्पर्क कार्यक्रम के बाद हो रहा है, जो प्रमुख व्यक्तियों और आदिवासी लोगों से मिलने के लिए अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र में डेरा डाले हुए थीं। रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने केपीसीसी के प्रति अपनी नाराज़गी व्यक्त की थी और आंतरिक कलह के कारण हाल ही में स्थानीय पार्टी नेताओं की आत्महत्याओं से उपजे संकट पर रिपोर्ट माँगी थी।

मृतक नेताओं में डीसीसी कोषाध्यक्ष एन.एम. विजयन और मुल्लांकोली ग्राम पंचायत सदस्य जोस नीलादम शामिल हैं। श्री विजयन की बहू पद्मजा विजेश ने भी 14 सितंबर को आत्महत्या का प्रयास किया था।

अपने दौरे के दौरान सुश्री प्रियंका ने अभी तक अध्यक्ष एन.डी. अप्पाचन सहित डीसीसी नेताओं से मुलाकात नहीं की थी, न ही दिवंगत स्थानीय नेताओं के घर गयी थीं।

डूसू चुनाव : एबीवीपी की जीत के बाद अमित शाह और जेपी नड्डा समेत भाजपा के कई नेताओं ने बधाई दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जीत के बाद केंद्रीय मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बड़े नेताओं ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस चुनाव में एबीवीपी के आर्यन मान ने अध्यक्ष पद जीता, कुणाल चौधरी ने सचिव पद जीता और दीपिका झा संयुक्त सचिव चुनी गईं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी की प्रचंड जीत पर परिषद के कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "यह जीत युवाओं की राष्ट्र प्रथम की विचारधारा में अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है। इस विजय से परिषद की छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति में परिवर्तित करने की यात्रा को और अधिक गति मिलेगी।"

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी एबीवीपी की विजय पर युवा साथियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, "स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलते हुए एबीवीपी ने सदैव युवाओं को राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा की भावना से प्रेरित किया है। यह विजय दर्शाती है कि युवा पीढ़ी 'राष्ट्र प्रथम' के संदेश को अपना रही है, जो भारत को एक उज्ज्वल और सुदृढ़ भविष्य की ओर ले जाएगा।" दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "यह जीत सिर्फ एक संगठन की नहीं, बल्कि हर उस युवा की है जो राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, सेवा और संघर्ष को अपने जीवन का मार्ग मानता है। मुझे गर्व है कि मैंने भी दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में यही संस्कार जिए और सीखे।

गायक जुबीन के निधन पर मोदी समेत दिग्गज नेताओं ने जताया दुख

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश के मशहूर असमिया गायक जुबीन गर्ग की शुक्रवार को सिंगापुर में एक हादसे के दौरान मौत होने से देश में संगीत जगत में मातम एवं शोक की लहर है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेसी नेता राहुल गांधी समेत देश के दिग्गज नेताओं और लाखों प्रशंसकों ने उनके असमय निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। 'या अली गाने' से संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाले गायक जुबीन गर्ग का सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद निधन हो गया। वह 52 साल के थे। उनके अचानक निधन ने प्रशंसक, असमिया समुदाय के लोग सदमे में हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर अपने शोक संदेश में जुबीन गर्ग के निधन को भयानक त्रासदी बताया। उन्होंने अपनी पोस्ट पर कहा कि जुबीन ने अपनी बेजोड़ आवाज से एक पीढ़ी को परिभाषित किया। उन्होंने व्यक्तिगत त्रासदियों से परे जाकर असमिया संगीत को नया आकार देने का काम किया। उनकी दृढ़ता और साहस ने एक अमिट छाप छोड़ी है। वह हमारे दिलों और दिमाग में हमेशा जीवित रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि लोकप्रिय गायक ज़ुबीन गर्ग के आकस्मिक निधन से श्तब्ध हूं। उन्हें संगीत में समृद्ध योगदान के लिए याद किया जाएगा। उनकी प्रश्तुतियां संगीत प्रेमियों के बीच बहुत लोकप्रिय थीं।

देश का पहला मानवयुक्त मिशन 2027 में निर्धारित : इसरो अध्यक्ष

✷ वेबवार्ता. बेंगलुरु ✷

भारत का गगनयान कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित वापस पृथ्वी पर लाना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत का पहला मानवयुक्त मिशन 2027 की अंतिम तिमाही में निर्धारित है।

बेंगलुरु में हाइड्रोजन फ्यूल नेशनल वर्कशॉप के उद्घाटन के दौरान मीडिया के बात करते हुये उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम से जुड़े लगभग 80 से 85 प्रतिशत कार्य पहले ही कर लिये गये हैं।

श्री नारायणन ने कहा, 'पहला मानवरहित मिशन इस साल दिसंबर में निर्धारित है। अंतरिक्ष यान प्रणालियों का परीक्षण करने के लिये हम मनुष्यों की बजाय एक मानव जैसा प्राणी भेजेंगे।

इसके बाद दो और मानवरहित मिशन होंगे, जिसके बाद भारत के माननीय प्रधानमंत्री के निर्देशों के अनुसार हम 2027 की पहली तिमाही में पहली मानवयुक्त उड़ान की योजना बना रहे हैं।' श्री नारायणन ने कहा कि मानव अंतरिक्ष उड़ान एक प्रमुख उपलब्धि है, लेकिन इसरो देश के फायदे के लिये कई दिशाओं में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि गगनयान एक कार्यक्रम है, लेकिन देश के हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। हम पृथ्वी अवलोकन, नेविगेशन, संचार और अन्य अनुप्रयोगों के जरिये उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को आम आदमी तक पहुँचाने के लिए भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी नागरिकों को कई तरीकों से सहायता प्रदान करती है, जिसमें खाद्य सुरक्षा, जल प्रबंधन, मत्स्यपालन निगरानी, टेलीविजन प्रसारण, दूरसंचार, टेलीमेडिसिन आदि शामिल हैं।

सैनिकों और सेनाओं को किसी चीज की कमी महसूस नहीं होने देगी सरकार : राजनाथ

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 की लड़ाई में पाकिश्तान को धूल चटाने वाले सैनिकों से बातचीत करते हुए उन्हें आश्वश्त किया कि मातृ भूमि की रक्षा करने वाले हर सैनिक का सम्मान तथा कल्याण सरकार की प्राथमिकता है और सैनिकों तथा सेनाओं को किसी संसाधन की कमी महसूस नहीं होने देगी। श्री सिंह ने 1965 की लड़ाई के 60 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित समारोह में इस लड़ाई में दम खम दिखाने वाले अधिकारियों और जवानों को शुक्रवार को यहां संबोधित किया।

उन्होंने पूर्व सैनिकों तथा सेवारत सैनिकों को आश्वश्त किया कि सरकार उन्हें सम्मान से लेकर सैन्य साजो सामान तक किसी भी चीज की कमी नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा , ' आज जब मैं अपने वेटरन्स के बीच हूँ, तो मैं एक संकल्प भी आपके समक्ष दोहराना चाहता हूँ । वह संकल्प यह है, कि चाहे वह सेवारत सैनिक हों, वेटरन्स हों या हमारे शहीदों के परिवारजन, हमारी सरकार के लिए हर किसी का सम्मान और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। सेनाओं का आधुनिकीकरण हो, प्रशिक्षण हो, या उपकरणों का उन्नयन हो, यह सब हम इसलिए कर रहे हैं, कि हमारा जवान कभी संसाधनों की कमी महसूस न करे। ' इस अवसर पर 1965 की लड़ाई के बाद वीर चक्र से सम्मानित अधिकारियों लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) सतीश नाम्बियार और मेजर आर एस बेदी तथा इस लड़ाई में अपने जौहर दिखाने वाले अनेक पूर्व सैनिक मौजूद थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 1965 का युद्ध सिर्फ़ एक छोटा-मोटा संघर्ष नहीं था बल्कि वह भारत की ताकत की परीक्षा थी। उस दौर में जो परिस्थितियाँ थीं, उसे देखते हुए पाकिश्तान ने यह सोचा कि वह घुसपैठ से गुरिल्ला लड़ाई से और अचानक हमलों से भारत को डरा देगा। उन्होंने कहा कि पाकिश्तान को भारत के जवानों की भावना और ताकत का पता नहीं था कि वह देश की मिट्टी की रक्षा के लिए क्या कुछ कर सकता है।

श्री सिंह ने 1965 के युद्ध के दौरान फिलौरा, चाविंडा और अन्य लड़ाईयों में सेनाओं के पराक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सेनाओं ने पाकिश्तान की हिम्मत तोड़ दी।

यासीन मलिक ने हाफिज सईद से मुलाकात को कबूला, अमित मालवीय ने यूपीए सरकार को घेरा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

टेरर फंडिंग केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहे जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के आतंकवादी यासीन मलिक के 25 अगश्त को दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे को लेकर भाजपा आईईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने यूपीए सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के आतंकवादी यासीन मलिक ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। 25 अगश्त को दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में मलिक ने कहा है कि उसने 2006 में पाकिश्तान में लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक और 26/11 के मास्टरमाइंड हाफिज सईद से मुलाकात की थी।

इस पर भाजपा आईईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "अगर यासीन मलिक के दावे सच हैं तो ये यूपीए सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा और गुप्त कूटनीति से जुड़े मुद्दे से निपटने के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। यासीन मलिक की यह मुलाकात स्वतंत्र पहल नहीं थी, बल्कि वरिष्ठ भारतीय खुफिया अधिकारियों के अनुरोध पर एक गुप्त शांति प्रक्रिया के तहत आयोजित की गई थी।

मुलाकात के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने व्यक्तिगत रूप से उसे धन्यवाद दिया और उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की थी।"

उन्होंने लिखा, "यासीन मलिक एक दुर्दांत आतंकवादी है जो वर्दीधारी तीन वायुसेना कर्मियों की गोली मारकर हत्या करने का दोषी है। यह देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के समान है और उसे कानून की पूरी ताकत के अधीन किया जाना चाहिए।"

हलफनामे के मुताबिक, मलिक ने कहा

PM करेंगे इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन, सीएम ने परखीं तैयारियां

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन 25 सितंबर को करेंगे। प्रधानमंत्री का कार्यक्रम तय होने के बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा के एक्सपो सेंटर में तैयारियां देखने के लिए पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने अलग-अलग पवेलियन में जाकर व्यवस्थाएं देखीं। वहीं अधिकारियों के साथ एक्सपो सेंटर में बैठक कर उद्यमियों और विदेशी मेहमानों की सुविधाओं के अलावा ट्रैफिक प्रबंधन, कानून व्यवस्था और यूपी सरकार की नीतियों के प्रदर्शन पर जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने पहले दोनों आयोजन से इसे बेहतर बनाने और बदलते यूपी की तस्वीर के रूप में पूरी दुनिया के सामने प्रदेश को शोकेस करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

शुक्रवार दोपहर मुख्यमंत्री पहले राजकीय विमान से गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से हेलीकॉप्टर से एक्सपो सेंटर आए। करीब दो घंटे वह एक्सपो सेंटर में रहे। इस दौरान अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार ने मुख्यमंत्री को पूरे आयोजन की व्यवस्था की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि व्यापार मेले में प्रमुख देशी-विदेशी कंपनियों के अलावा यूपी सरकार की संस्थाएं जैसे इंवेस्ट यूपी, यीडा, नोएडा व ग्रेनो प्राधिकरण समेत अन्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपनी परियोजनाओं की जानकारी देंगे। डीएम मेधा रूपम ने सीएम को बताया कि स्टॉल्स की योजना पर काम पूरा हो गया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने कानून व्यवस्था और

ट्रैफिक प्रबंधक पर मुख्यमंत्री को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वाहनों की आवाजाही में दिक्कत नहीं हो इसके लिए आयोजन स्थल के पास ही 8000 वाहनों की क्षमता की अस्थायी पार्किंग तैयार कराई गई है।

मुख्यमंत्री ने 25 से 29 सितंबर तक जारी रहने वाले मेले के आयोजन में व्यवस्थाएं बेहतर रखने के निर्देश दिए साथ ही कहा कि देश-विदेश से आने वाले अतिथियों और उद्यमियों को किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। मेले में कई देशों के राजनयिक भी पहुंचेंगे।

आयोजन में रूस भी कंट्री पार्टनर के रूप में जुड़ा है। ऐसे में इस आयोजन को पिछले साल से अधिक भव्य और सफल बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर अन्य तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जाएं। इसमें किस भी प्रकार की लापरवाही नहीं रखी जाए।

मुख्यमंत्री के साथ औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान भी निरीक्षण में शामिल रहे।

दुनिया के सामने हुनर को दिखाने का मौका : नंदी

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि ट्रेड शो गांवों और कस्बों के हुनरमंद कारीगरों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इस बार एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओडी) के उद्यमियों को भी यहां दुनिया के सामने अपने हुनर को दिखाने का मौका मिलेगा।

आयोजन उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगा। ट्रेड शो न सिर्फ व्यापार का मंच है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की आर्थिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक ताकत को दुनिया के सामने पेश करने का अवसर भी है।

उद्यमियों को व्यापार के लिए मिला प्लेटफॉर्म : राकेश सचान

एमएसएमई मंत्री राकेश सचान का कहना है कि उत्तर प्रदेश में करीब 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं। यह ट्रेड शो इन उद्यमियों को एक ही छत के नीचे लाने का मंच है।

प्रदेश सरकार ट्रेड शो के माध्यम से उद्यमियों को व्यापार करने के लिए एक प्लेटफॉर्म मुहैया कराती है। सभी लोगों से अपील है कि वह यहां आए और देखे कि उत्तर प्रदेश में किस तरह के उद्यम हैं और प्रदेश किस तरह से बदल रहा है।

सीएम के आगमन के दौरान कड़ी रही सुरक्षा

मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। एक्सपो मार्ट के गेट नंबर-1 की ओर जाने वाला राश्ता बंद रहा। यहां सुबह से ट्रैफिक पुलिस की ओर से बैरिकेडिंग कर रखी गई थी।

इसके साथ ही एक्सपो मार्ट से लेकर परी चौक तक के एरिया के आसपास एहतियातन पुलिस बल तैनात रहा। निरीक्षण के समय सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र नागर, प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर भी मौजूद रहे।

परिवार पर जानलेवा हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। दनकौर के खेरली हाफिजपुर गांव में जमीन के विवाद में एक परिवार पर जानलेवा हमला करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से कारतूस और तमंचा भी बरामद हुआ है। पुलिस का कहना कि इस मामले में विकास उर्फ कालू निवासी बुलंदशहर को शुक्रवार को तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने दूसरे पक्ष पर गोली चलाई थी। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है घटना में भागे अन्य आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें खेरली हाफिजपुर गांव के सतवीर ने 1 मई को कोतवाली में केस दर्द कराया था कि उसके खेत में रेवसिंह और उसके परिजनों ने पोल गाड़ दिए थे। विरोध करने पर लाठी-डंडों से उनपर हमला कर दिया था। घटना में वह उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मामले में 12 के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति घायल

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। दादरी में दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग स्थित दादरी रेलवे स्टेशन पर रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति घायल हो गया । घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। परिजन को घटना की सूचना दी गई है। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि बुलंदशहर के बिबिथाना गांव निवासी विजय परिवार के साथ रहते हैं। वह 19 सितंबर को सुबह भोर के समय अलीगढ़ ट्रेन में जाने के लिए दादरी रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। वह एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए रेलवे लाइन पार कर रहे थे। तभी ट्रेन के आने पर उसकी चपेट में आ गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये।

एक्सप्रेस ट्रेन में पत्थर मारने का आरोपी गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। दादरी में रेल मार्ग पर तीन सप्ताह पहले चिपियाना और मारीपत के बीच एक्सप्रेस ट्रेनों पर पत्थर मारकर शीशे तोड़ने की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि 30 अगश्त को दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर रांची राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन जा रही थी। जब ट्रेन मारीपत और चिपियाना के मध्य पहुंची तो पत्थर मारकर शीशे तोड़ दिए थे। इस मामले में रेलवे एक्ट की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस ने सूत्रों के आधार पर चिपियाना-मारीपत के बीच भूरिया नाले के समीप से मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद निवासी राजकुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

दहेज हत्या के मामले में महिला समेत तीन गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। दादरी में दो दिन पहले चरनी विहार कॉलोनी में दहेज में दो लाख रुपये व बाइक की मांग पूरी न होने को लेकर विवाहिता को फंदा लगाकर हत्या किए जाने के मामले में पति, ससुर और सास को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगी है। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि बुलंदशहर के जहांगीराबाद निवासी सुमन की शादी बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के चरनी विहार कॉलोनी निवासी दीपक के साथ 10 मई 2025 को हुई थी। दो लाख रुपये व बाइक की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर फंदा लगाकर विवाहिता की हत्या करने का आरोप है। पुलिस ने शुक्रवार को बादलपुर गांव स्थित अंबेडकर पार्क के पास से पति दीपक, ससुर ओमप्रकाश और सास मुनेश को गिरफ्तार किया है।

हत्या के आरोपियों की जमानत खारिज

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। जिला अदालत ने दनकौर कोतवाली क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी राहुल, रोहित और अरुण कुमार की जमानत अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने माना कि मामले के तथ्य और परिस्थितियां, उपलब्ध साक्ष्य और अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को फिलहाल जमानत पर छोड़ा जाना उचित नहीं है। मामला थाना दनकौर क्षेत्र का है। जहां 12 मई 2025 को वादी विजय के बेटे विशाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि विशाल जब मंडी श्याम नगर से फल खरीदकर अपनी मोटरसाइकिल से मधुवन एन्क्लेव घर लौट रहा था। तभी गेट के भीतर पहले से मौजूद बदमाशों ने उसे गोली मार दी थी।

फरीदाबाद में बगैर लाइसेंस चल रही दुकानों पर ऐक्शन शुरू

सबसे पहले 80 मीट की दुकानें सील

फरीदाबाद एजेंसी।
फरीदाबाद नगर निगम की ओर से जिले में बिना लाइसेंस संचालित हो रही दुकानों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। गुरुवार को नगर निगम की ओर से करीब 80 मीट की दुकानों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। लोगों ने निगम की कार्रवाई का विरोध जताया और अधिकारियों पर पैसे वसूली के आरोप लगाए।

सूत्रों के मुताबिक, जिले में छोटी-बड़ी 80 हजार से अधिक दुकानें संचालित हो रही हैं। इनमें मोची से लेकर, चाउमिन बर्गर, कपड़े और मीट की दुकाने शामिल हैं, लेकिन इनमें से मात्र चार हजार दुकानों के पास ही वैध लाइसेंस हैं। बाकी लगभग 76 हजार दुकानें बिना लाइसेंस के चल रही हैं। निगम ने इन पर कार्रवाई करते हुए सबसे पहले मीट की दुकानों को निशाने पर लिया। निगम की टीमों ने नीलम पुल के नीचे सहित अलग-अलग क्षेत्रों में छापेमारी करते हुए 80 दुकानों को सील कर दिया। नीलम पुल के नीचे

बैठे मीट दुकानदारों ने बताया कि उन्हें यह जगह निगम द्वारा दी गई है। बावजूद इसके निगम अधिकारियों ने उनकी दुकानों को सील कर दिया। उन्होंने जब कार्रवाई का विरोध जताया तो अधिकारियों ने कहा दुकानें बंद कर लें या माल सहित 80 हजार रुपये की बेच दी जाएंगी। लोगों ने कहा कि इन दुकानों से उनका घर चलता है, किसी तरह परिवार का पालन पोषण करते हैं। अब दुकानें सील होने से उनका काम धंधा ठप हो गया है। नगर निगम की इस सख्ती से व्यापारी वर्ग असहज जरूर है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की ओर से यदि जल्द कार्रवाई नहीं रोकी गई तो जल्द विरोध के लिए आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। वहीं, वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि यह कदम लंबे समय तक शहर की व्यवस्था को दुरुस्त करने वाला साबित होगा।

निगम अधिकारियों ने बताया कि लगातार बिना लाइसेंस दुकान चलाने वालों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम अधिनियम की धारा 330 और 331 के तहत प्रत्येक दुकान का लाइसेंस लेना अनिवार्य है। लेकिन जिले में बड़े पैमाने पर व्यापारी इन नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अब कोई ढील नहीं दी जाएगी और तय समय सीमा में लाइसेंस न लेने पर सीधे सीलिंग की कार्रवाई होगी। नगर निगम से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर में करीब चार हजार दुकानों के पास ही लाइसेंस है। जबकि दुकानों की संख्या करीब 80 हजार से अधिक बताई जाती है। यानी यहां भी करीब 90 प्रतिशत दुकानें नियमों के खिलाफ चल रही हैं। निगम का मानना है कि लाइसेंस प्रणाली को लागू करने से न केवल दुकानदारों की जवाबदेही तय होगी।

सबरीमाला मंदिर से 'गायब' हो गया साढ़े 4 किलो सोना? केरल हाईकोर्ट सख्त

जांच के दिए आदेश

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल के विश्वप्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर से जुड़ा नया विवाद सामने के बाद केरल हाईकोर्ट सक्रिय हो गया है। यहां मंदिर के कुछ नए हिस्सों के निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाला करीब साढ़े 4 किलो सोना गायब हो गया है। बड़ी मात्रा में सोना रहस्यमय तरीके से गायब होने के बाद केरल हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

दरअसल यह मामला 2019 में मंदिर के गर्भगृह पर की गई स्वर्ण-पल्लवन की प्रक्रिया से संबंधित है। न्यूज 18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस परियोजना के लिए मंदिर के खजाने से लगभग 42 किलो सोना लिया गया था। इन सोने के प्लेटों को गर्भगृह पुनः स्थापित करने से पहले एक विशेष पुनः-पल्लवन प्रक्रिया से गुजारने की योजना थी। हालांकि जब नई प्लेटें वापस लगाई गईं, तो उनका वजन लगभग 38 किलो ही था यानि लिए गए सोने से लगभग 4.45 किलोग्राम सोना कम पाया गया।

केरल हाईकोर्ट ने उठाए सवाल

मामला सामने आने पर केरल हाईकोर्ट ने मंदिर प्रबंधन पर सख्ती दिखाते हुए कहा है कि इस तरह की गड़बड़ी समझ से परे है। कोर्ट ने मंदिर प्रशासन से सोने की कमी के बारे में सवाल करते हुए कहा, अगर यह पेट्रोल होता, तो वजन में कमी समझ में भी आती, लेकिन यह सोना था। इसका वजन कैसे कम हो गया? कोर्ट ने कहा है कि मंदिर की संपत्ति से जुड़ी आस्था और पारदर्शिता से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने देवस्वम सतर्कता विभाग को जांच शुरू करने और तीन हफ्तों के भीतर रिपोर्ट देने का भी निर्देश दिया। वहीं सबरीमाला मंदिर का प्रबंधन करने वाले त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) को जांच में सहयोग देने का आदेश दिया गया है।

कवर पर छपी सिगरेट पीने वाली तस्वीर

अरुंधति रॉय की किताब के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल हाई कोर्ट में दायर एक याचिका में बुकर पुरस्कार विजेता अरुंधति रॉय की पुस्तक 'मदर मैरी कम टू मी' की बिक्री, वितरण और प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग की गई है। इस किताब के कवर पर छपी तस्वीर में वह वैधानिक स्वास्थ्य चेतावनी के बिना सिगरेट पीती दिखती हैं। सीजेआई नितिन जामदार और जस्टिस बसंत बालाजी की पीठ ने गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह अदालत को बताए कि क्या ऐसे मुद्दों से निपटने के लिए कोई एजेंसी या तंत्र है। बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर के लिए सूचीबद्ध कर दी। यह जनहित याचिका कोच्चि के वकील राजसिम्हन द्वारा दायर की गई है। उन्होंने कहा कि कवर की तस्वीर धूम्रपान को ''महिमामंडित'' कर समाज, विशेष रूप से लड़कियों और महिलाओं को नुकसानदेय संदेश भेजती है। उनके जैसी प्रतिष्ठित लेखिका द्वारा धूम्रपान का महिमामंडन किया जाना यह गलत धारणा पैदा करने के समान है कि ऐसे कृत्य बौद्धिक रचनात्मकता को बढ़ाते हैं'। इस याचिका में कहा गया है कि यह छवि सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन निषेध एवं व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण विनियमन) अधिनियम (सीओटीपीए), 2003 का भी उल्लंघन है। याचिका के अनुसार, अधिनियम सिगरेट और तंबाकू उत्पादों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाता है, जब तक कि उनके साथ निर्धारित वैधानिक स्वास्थ्य चेतावनियां न हों। इसमें यह भी कहा गया है कि बिना किसी वैधानिक स्वास्थ्य चेतावनी के यह चित्र धूम्रपान और तंबाकू उत्पादों का अप्रत्यक्ष विज्ञापन और प्रचार है। याचिका में वर्तमान कवर के साथ पुस्तक की बिक्री, प्रसार और प्रदर्शन पर रोक लगाने के अलावा, इसकी सभी प्रतियों को बाजार से वापस लेने का भी आग्रह किया गया है।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद ही जुड़े नए 15 लाख मतदाता, लेकिन कुछ नहीं बोलीं पार्टियां

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में नवंबर 2024 के विधानसभा चुनाव के बाद से मतदाता सूची में 14.71 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं, जबकि 4.09 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, लेकिन किसी भी राजनीतिक दल ने इस संबंध में कोई आपत्ति नहीं जताई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

जिलेवार आंकड़ों के अनुसार, ठाणे में सबसे ज़्यादा 2.25 लाख नए मतदाता जुड़े, जबकि पुणे में 1.82 लाख नए मतदाता जुड़े। इस तरह ठाणे में मतदाताओं की संख्या 74.55 लाख और पुणे में 90.32 लाख हो गई।

मुंबई उपनगरीय जिले में 95,630 नए मतदाता जुड़े, जिससे वहां कुल मतदाताओं की संख्या 77.81 लाख हो गई। मुंबई शहर में 18,741 नए मतदाता जुड़े, जिससे मतदाताओं की संख्या 25.62 लाख हो गई। अधिकारी ने बताया कि राज्य में अब कुल 9.84 करोड़ मतदाता हैं।

उन्होंने कहा, ''मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोप राजनीतिक बहसों में छाए हुए हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद 14 लाख से ज़्यादा नाम जोड़े जाने के संबंध में हमें अब तक एक भी लिखित शिकायत या आपत्ति नहीं मिली है। पिछले

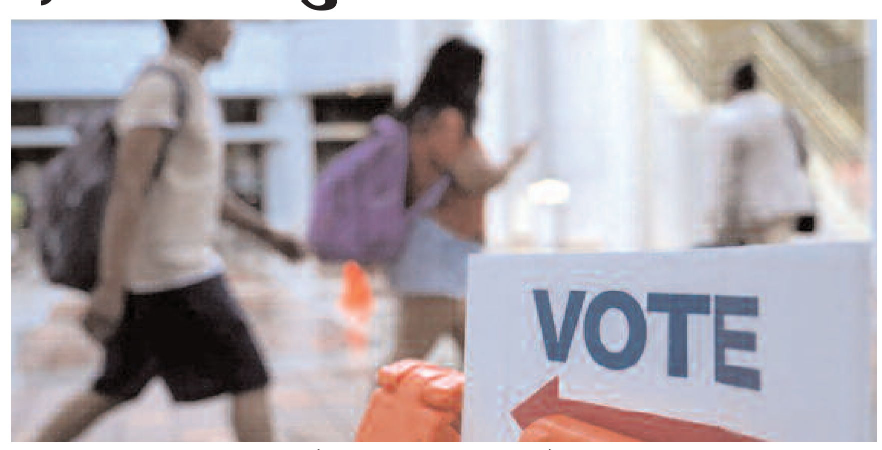

साल के विधानसभा चुनाव के लिए तैयार की गयी सूची के बजाय, अब आगामी नगर निगम और स्थानीय निकाय चुनाव के लिए अद्यतन सूची का इस्तेमाल किया जाएगा।''

राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि नवंबर से अब तक इस महानगर में 1.14 लाख नए मतदाता जुड़े हैं, जिससे आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव के लिए कुल मतदाताओं की संख्या 1.03 करोड़ हो गई है। अधिकारी ने बताया कि राज्य भर में 16.83 लाख मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए आवेदन प्राप्त हुए और एक निर्वाचन क्षेत्र से दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में नाम बदलने के लिए लगभग 1.97 लाख आवेदन मिले। अधिकारी ने बताया कि जांच के बाद 14.71 लाख नए नामों को मंजूरी दी गई और 4.09 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए।

राज्य में मतदाताओं की संख्या में यह वृद्धि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया आरोपों की पृष्ठभूमि में हुई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा के पक्ष में मतदाता सूची में हेरफेर किया जा रहा है। राहुल गांधी के दावों ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी

इंफाल, एजेंसी।
मणिपुर में शांति कायम करने के लिए सरकार सहित सुरक्षा बलों ने कमर कसी हुई है। हिंसा करने वाले लोगों को तलाशी अभियान के तहत पकड़ा जा रहा है। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने इंफाल घाटी के तीन जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ये गिरफ्तारियां बृहस्पतिवार को की गईं। पुलिस के एक बयान में बताया कि प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के तीन सक्रिय सदस्यों को इंफाल पश्चिम जिले में उनके आवासों से गिरफ्तार किया गया जिनकी पहचान लीशांगथेम टंडन सिंह (34), लीशांगथेम आनंद सिंह (34) और हेइखम हेमचंद्र सिंह (41) के रूप में हुई है।

इसमें कहा गया कि उनके कब्जे से दो एसएलआर राइफल, दो मॉडिफाइड

.303 राइफल, एक इंसास राइफल, विभिन्न प्रकार की नौ मैगजीन और 99 कारतूस जब्त किए गए। इसी संगठन के एक अन्य कार्यकर्ता को इंफाल पूर्वी जिले के एंड्रो से गिरफ्तार किया गया जिसकी पहचान ताओरेम तोमचौ मीतेई उर्फ ??पेना (45) के रूप में हुई है। प्रतिबंधित संगठन पीआरईपीएके (पीआरओ) के एक सक्रिय सदस्य को थौबल जिले के इचन खुनौ से गिरफ्तार किया गया जिसकी पहचान नहीं बताई है। बयान में कहा गया कि पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन 'एसओआरईपीए' के एक सक्रिय सदस्य को थौबल जिले के समाराम मयाई लीकाई से गिरफ्तार किया जिसकी पहचान खोइनाईजाम भूमेश्वर सिंह (24) के रूप में हुई है। उसके पास से एक नकली बंदूक और तीन कारतूस जब्त किए गए हैं। इससे पहले मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ दिनों से चलाए गए अभियान के दौरान तीन पहाड़ी जिलों से हथियारों का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए चूड़ाचांदपुर, चंदेल और तेंगनौपाल जिलों के अंदरूनी क्षेत्रों में कई जगहों पर एक साथ अभियान चलाया। पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान 11 पिस्तौल, 37 सिंगल बैरल राइफल, प्वॉइंट 303 की दो राइफल और एक-एक एम-16, एमए-1, एमके-2 इंसास, कार्बाइन और डबल बैरल राइफल बरामद की गईं। उसने बताया कि अभियान के दौरान तीन बम और 28 पॉम्पी (स्थानीय मोर्टार) के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के 57 हथियार और गोला-बारूद तथा 23 रेडियो सेट भी बरामद किए गए।

लखनऊ एयरपोर्ट पर पांच करोड़ की ड्रग्स बरामद, दो गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट पर पांच करोड़ रुपए का हाइड्रोपोनिक वीड (ड्रग्स) बरामद किया गया। यह आठ पैकेटों में था। यह बैंकॉक से पहुंचे दो यात्रियों के पास से बरामद हुआ। बैंकॉक से लखनऊ आ रही विमान संख्या एफडी 146 रात 10.30 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंड हुई। विमान से उतरने वाले यात्रियों की कस्टम और सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने जांच की। जांच के दौरान दो यात्रियों पर टीम को शक हुआ।

सीसीएसआई विमानपत्तन के अपर आयुक्त मंयक शर्मा ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात सीमा शुल्क अधिकारियों ने दोनों तस्करों के व्यक्तिगत सामान और बैगेज को एक्सरे जांच के लिए ग्रीन चैनल पर भेजा, जहां उनके काले रंग के बैकपैक की जांच करने पर, 8 पॉलिथीन पैकेट बरामद किए गए, जिनमें हरे रंग का एनडीपीएस पदार्थ था।

जांच में पता चला कि दोनों यात्रियों के बैग से आठ पैकेटों में 4.9 किलोग्राम ड्रग्स बरामद किए गए। इसकी कीमत 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। बताते चलें कि देशभर के एयरपोर्ट्स पर ड्रग्स के खिलाफ एक्शन लिया जा रहा है और इसमें बड़ी सफलता भी मिल रही है। इससे पहले सितंबर महीने की शुरुआत में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो चेन्नई ने एयरपोर्ट पर एक बड़े कोकीन सिंडिकेट का पर्दाफाश किया था।

कार्रवाई में एक नाइजीरियन सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

महिला व पुत्रवधू के साथ पड़ोसियों ने की मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र की राहत एनक्लेव में पड़ोसियों ने आपस में हुए विवाद के बाद महिला और उसकी पुत्रवधू के साथ मारपीट की। मारपीट में महिला के हाथ और रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। पीड़िता के दामाद की शिकायत पर पुलिस ने 18 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की है। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की राहत एनक्लेव कॉलोनी निवासी आमना का 30 अक्तूबर को पड़ोस में रहने वाले मोनू और मोसिना से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। जिस पर दोनों ने महिला के साथ गाली गलौज कर मारपीट की। शोर सुनकर महिला की पुत्रवधू खुशनुमा उन्हें बचाने पहुंची तो दोनों ने उनके साथ भी मारपीट की। आरोप है कि मारपीट में महिला के हाथ और रीढ़ की हड्डी में फैक्चर हो गया। जबकि उनकी पुत्रवधू को भी गंभीर चोट आई। महिला ने मामले की सूचना दामाद रिआजुद्दीन को दी। घर पर पहुंचे दामाद ने पड़ोसियों से विरोध प्रकट किया तो उनके साथ गाली गलौज कर मारपीट करने व जान से मारने की धमकी दी गई। बाद में उन्होंने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। दामाद ने बताया कि उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। जिस पर उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त से की। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़िता के दामाद की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मकान के विवाद में मां और पुत्री के साथ मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की पंचवटी कॉलोनी में मकान के हुए विवाद में व्यक्ति ने महिला और उसकी पुत्री के साथ मारपीट की। आरोप है कि महिला की पुत्री द्वारा मारपीट की वीडियो बनाए जान पर उसका मोबाइल तोड़ दिया। पीड़िता के पुत्र की शिकायत पर पुलिस ने अरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। दिल्ली ईस्ट गोकलपुर निवासी महिला मंजू पुत्री प्रिंसी के साथ 11 मई को लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की पंचवटी कॉलोनी स्थित पुराने मकान में गई थी। महिला के पुत्र सौरभ ने बताया कि मकान पर काफी लंबे समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि मकान में रहने वाले शैलेंद्र सिंह ने मां के साथ गाली गलौज करनी शुरू कर दी। मां और बहन द्वारा विरोध किए जाने पर उसने मां के साथ मारपीट करनी शुरु कर दी। जिस पर बहन ने मोबाइल निकाल कर मारपीट का वीडियो बनाना शुरु कर दिया। जिस पर आरोपी ने बहन के साथ मारपीट कर मोबाइल छीनकर तोड़ दिया। शोर मचने पर आस पास के लोगों ने दोनों को किसी तरह बचाया। घटना के बाद पीड़िता पुत्री के साथ घर पहंची और मामले की जानकारी परिजनों को दी। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़िता के पुत्र द्वारा ई एफआईआर कर शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जानकारी मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कमरे में सो रहे युवक को बंदर ने काटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव सीकरी खुर्द में अमित गुर्जर परिवार सहित रहते हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह वह कमरे में सो रहे थे और दरवाजा खुला हुआ था। इसी बीच बंदर ने उनके हाथ में काटकर घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने किसी तरह बंदरों को भगाकर उन्हें बचाया। परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां उन्हें रेबीज की वैक्सीन लगवाई। लोगों का कहना है कि इलाकों में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा।

नांगल जट इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। जिला पंचायत अध्यक्ष साकेत प्रताप सिंह व ब्लॉक प्रमुख वीरेन्द्र सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष झालू लोकेंद्र चौधरी ने संयुक्त रूप से प्रतियोगीता का किया उद्घाटन। विदित हो कि ग्राम नांगल जट इंटर कॉलेज में जिला शतरीय माध्यमिक विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष आदरणीय साकेत प्रताप सिंह जी एवं ब्लॉक प्रमुख हल्दौर श्री वीरेन्द्र सिंह, लोकेंद्र चौधरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर नांगल जट कॉलेज के अध्यक्ष चौधरी राजेश बाबू, प्रबंधक श्रीमान अनिल कुमार, समश्त कॉलेज स्टाफ, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती चारु, संजीव सेठ एवं अनुराग जोशी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद द्वारा बाजार कल्लूगंज में अतिक्रमण हटवाया गया

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। पालिका परिषद के राजस्व निरीक्षक विपिन चौहान के नेतृत्व में नगर पालिका स्टाफ के द्वारा अतिक्रमण अभियान चलाकर हो रहे अतिक्रमण को हटवाया गया बता दें कि कल्लूगंज मंडी मे लगातार व्यापारियों द्वारा एसडीएम नजीबाबाद से लगातार शिकायत की जा रही थी कि बहा पर कुछ सब्जी फल बालों ने रोड पर अतिकिर्मण कर लिया है जिसको मौके पर नगर पालिका प्रशासन द्वारा हटवा दिया गया है । सब्जी फड़ के मालिको को पैमाईस के अनुसार ही अपना कारोबार करे बाकी जगह २ दिन मे खाली कर दे अनायत्था की स्थति मे कार्यबाही की जाएगी।

'गैंगस्टर सिटी से डेवलपमेंट सिटी तक का सफर तय किया'- सीएम

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद शहर की बदलती पहचान पर बड़ा बयान दिया है। शुक्रवार को पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में आयोजित 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि गाजियाबाद, जिसे कभी 'गैंगस्टर सिटी' के रूप में जाना जाता था और जिस पर फ़िल्में भी बनी थीं, अब 'विकास नगरी' के रूप में पहचाना जाता है।

सीएम योगी ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गाजियाबाद के पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर द्वारा लिखित पुश्तक 'भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी' का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प सिर्फ़ सरकार का नहीं, बल्कि हर नागरिक का है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बताए गए पाँच प्रणों को भी दोहराया, जिनमें 'विरासत का सम्मान', 'गुलामी की मानसिकता से मुक्ति', 'सुरक्षा बलों का आदर', 'सभी का प्रयास-सभी का विकास' और 'हर नागरिक की ईमानदार भूमिका' शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने दावा किया कि 2014 के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में तेज़ी से विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुँचेगा। उन्होंने यह भी बताया कि पहले सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ केवल 14% लोगों को मिलता था, जबकि आज यह 70% से अधिक लोगों तक पहुँच रहा है।

उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले यूपी को 'बाधा राज्य' कहा जाता था, लेकिन अब यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने गाजियाबाद को एक औद्योगिक और शैक्षणिक केंद्र बताते हुए कहा कि यहाँ मेट्रो नेटवर्क, हाइवे, रेलवे और रैपिड रेल जैसी परियोजनाएँ क्षेत्र की पहचान को बदल रही हैं।

कार्यक्रम के अंत में, मुख्यमंत्री ने 'विकसित उत्तर प्रदेश' के लिए 12 प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता देने की बात कही, ताकि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में उत्तर प्रदेश एक निर्णायक भूमिका निभा सके।

सरकारी पेड़ काटकर ट्रैक्टर ट्राली में लदे हुए पकड़े ,टाल स्वामी के खिलाफ कार्यवाही

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

वन विभाग ने अवैध रूप से सरकारी पेड़ ले जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। टीम ने इस मामले में मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वन विभाग के एसडीओ ज्ञान सिंह को सूचना मिली थी कि नसीम अहमद की निजी भूमि पर स्थित टाल पर संरक्षित वन निगम के पेड़ अवैध रूप से काटकर जमा किए जा रहे हैं। इस सूचना पर एसडीओ अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

टीम को मौके पर यूकेलिप्टस के कटे हुए पेड़ एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरे हुए मिले। वहां मौजूद नसीम अहमद ने बताया कि यह लकड़ी सरकारी लॉट की है और इसे उनकी निजी भूमि में इकट्ठा किया जा रहा था। जब टीम ने नसीम अहमद से लकड़ी से संबंधित वैध कागजात मांगे, तो वह कोई दश्तावेज प्रश्तुत नहीं कर पाए। इससे अवैध भंडारण की पुष्टि हुई। वन विभाग ने अवैध कार्य में प्रयोग की गई ट्रैक्टर-ट्रॉली और लकड़ी को जब्त कर लिया।

संबंधित ठेकेदार नसीम अहमद के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। मौके से जीपीएस फोटो लेकर क्षेत्राधिकारी और वन अधिकारी बिजनौर को घटना पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

एसडीओ ज्ञान सिंह ने पुष्टि की कि यूकेलिप्टस के सरकारी पेड़ों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर ली गई है। उन्होंने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और रेंज अधिकारी को केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

पालिका मौहल्ला हाथीवाला मंदिर में बनाएगी बारात घर

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नगर पालिका प्रशासन मौहल्ला हाथी वाला मंदिर में पुराने जर्जर बारात घर को हटाकर नया बारात घर बनाएगी। बारातघर दो मंजिला होगा। बारात घर के बनने से नगर वासियों को काफी लाभ होगा।

मौला हाथी वाला मंदिर स्थित सामुदायिक भवन (बारात घर) पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगरोदय योजना के अंतर्गत बनाया गया था। तत्कालीन पालिका अध्यक्ष रशीद अहमद छिद्दू के कार्यकाल में बनाए गए सामुदायिक केंद्र का उद्घघाटन 14 जुलाई 2003 को पूर्व सांसद राशिद अल्वी ने किया था।

सामुदायिक भवन काफी समय से जर्जर हालत में है। जिसे पुनः बनवाने के लिए नगर वासियों द्वारा मांग की गई थी।

पालिका प्रशासन द्वारा बाईपास पर उपलब्ध जमीन में सामुदायिक भवन बनाने का प्रश्ताव रखा था लेकिन उक्त जमीन पर आवा गमन के लिए उपयुक्त राश्ता न होने से फिलहाल उसे टाल दिया गया है।

अब पालिका प्रशासन द्वारा पुनः मौहल्ला हाथी वाला मंदिर स्थित जर्जर सामुदायिक भवन को पुनः बनाने का प्रश्ताव शासन को भेजने की तैयारी की गई है। सामुदायिक केंद्र बनने से नगर वासियों को बड़ा लाभ होगा।

नगर में जल्द ही सामुदायिक केंद्र बनाया जाएगा। जिसका लाभ नगर वासियों को मिलेगा।

अनस इकरार
चेयरपर्सन, नगर पालिका परिषद नहटौर

'सामुदायिक भवन को जल्द ही बनवाया जाएगा। यह दो मंजिला होगा। पूर्व में चयनित जमीन को पर निर्माण के प्रश्ताव को फिलहाल निरश्त कर दिया है।

ओमगिरी, अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद नहटौर

अहंकार ही है विनाश का कारण : वर्षा गोड

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गांव जरीफपुर चतर के शिव मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन कथा व्यास वर्षा गौड़ ने कहा कि अहंकार विनाश का कारण है क्योंकि यह मनुष्य को सत्य और असत्य में भेद करने से रोकता है। अहंकारी व्यक्ति स्वयं को सर्वश्रेष्ठ समझने लगता है और अपनी कमियों को पहचान नहीं पाता।

इस कारण वह दूसरों का तुच्छ समझकर उनका अपमान करने लगता है जो उसे विनाश की ओर ले जाता है। कहा कि रावण, कंस, दुर्योधन जैसे कई उदाहरण हैं जिन्होंने अपने अहंकार के कारण अपनी और अपने वंश की बर्बादी कर ली। कहा कि अहंकार से ग्रश्त व्यक्ति स्वयं भी सुखी नहीं रहता। उसका मन हर समय अशांत रहता है।

जिससे ज्ञान और विनम्रता उसका साथ छोड देती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अंहकार का त्याग करने के लिए कहा। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण द्वारा इंद्र का घमंड तोडकर गोवर्धन पर्वत का पूजन कराने की कथा का मार्मिक वर्णन किया। यजमान पंकज कुमार, रीता देवी, दीपक कुमार, बबीता देवी, सोनू कुमार, रीता देवी रहे।

कथा विश्राम पर आरती की गई। ग्राम प्रधान ब्रहमपाल सिंह, नत्थू सिंह, ओमपाल सिंह, धर्मेंद्र कुमार, विनीत कुमार, कल्लू सिंह, निपेंद्र सिंह, रिंकू कुमार, तनिष्क चौधरी आदि उपस्थित रहे।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के क्रियान्वयन को जिला स्तरीय बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में दोपहर 1:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के क्रियान्वयन के संबंध में जनपद श्तर पर District Mission Committee (DMC) की बैठक की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन भारत सरकार की एक केंद्र-प्रायोजित योजना है,। जिसका उद्देश्य बागवानी क्षेत्र का समग्र विकास करना है,। जिसमें फल, सब्जियां, मसाले, फूल आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह योजना किसानों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है। ताकि वे आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके उत्पादन बढ़ा सकें और बागवानी को बढ़ावा दे सकें।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर ने जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला बिजनौर में फल एवं फूलों से अच्छादित क्षेत्र का विवरण उपलब्ध कराएं, जिसमें फलों और फूलों के प्रकार भी शामिल हों। उन्होंने कहा कि जिले में बागवानी विकास के लिए अपार संभावना है।

यदि सार्थक प्रयास किए जाएं तो बिजनौर बागवानी क्षेत्र में भी अपना महत्वपूर्ण स्थान बना सकता है।

उन्होंने जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया कि शासन द्वारा बागवानी विकास के लिए संचालित कार्यक्रमों एवं योजनाओं का विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें। ताकि जिले के किसान प्रेरित होकर बागबानी क्षेत्र में आएं और अपना आर्थिक विकास करें।

उन्होंने कृषकों का चयन प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर करने एवं फलों, सब्जियों, फूलों एवं आलू आदि का क्षेत्रफल बढाने तथा कृषकों को इण्टरकोपिंग फसलों को बढावा देने के लिए जागरूक कराने के लिए भी निर्देशित किया गया।

बैठक में जिला उद्यान अधिकारी राम नारायण वर्मा के द्वारा जनपदश्तर पर District Mission Committee (DMC) समिति के सदस्यों को विभाग में संचालित सभी योजनाओं की विश्तृत जानकारी दी गयी। एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना में प्राप्त लक्ष्यों के क्रियान्वयन के लिए अनुमोदन लिया गया।

बैठक में DMC के सदस्य डा० धनश्याम वर्मा उप कृषि निदेशक, डा० प्रतिमा गुप्ता वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र नगीना, सचिन कुमार मण्डी सचिव बिजनौर, देवेन्द्र सिहँ जे०ई० (डी०आर०डी०ए०), वियज शंकर तिवारी वरिष्ठ कोषाधिकारी, छवीनाथ सोनकर जिला पंचायत राज अधिकारी, भूपेश पुनेरा डी०डी०एम० नाबार्ड, अग्रणी बैंक अधिकारी बिजनौर, अखिलेश चौधरी, बुद्धराम सिहँ, ऋतुराज सिहँ प्रगतिशील कृषक, आदि उपस्थित रहे।

ब्लॉक के दबाकर हाल में ग्रीन चौपाल आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नवनियुक्त वन रेंजर अधिकारी शशांक गुप्ता ने कहा की गुलदार की लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए जनमानस अपनी सुरक्षा के लिए कृषि कार्य हेतु समूह के साथ जाए तथा गर्दन पर कपड़ा बांधकर रखें बच्चों को अपने साथ जंगल ना ले जाए।

शुक्रवार को ब्लॉक के डबकरा हाल में ग्रीन चौपाल बैठक का ब्लॉक प्रशासन द्वारा आयोजन किया गया। जिसमें वन विभाग की ओर से नवनियुक्त वन रेंजर अधिकारी शशांक गुप्ता ने कहा की वर्तमान में अपने क्षेत्र में गुलदार का आंतक लगातार बना हुआ है गुलदार ने अब तक कई पशुओं कई बच्चों को घायल करके आधा दर्जन बच्चों को मौत के घाट उतार दिया है।

गुलदार के इस आंतक को देखते हुए प्रत्येक नागरिक अपने जंगलों में कृषि कार्य हेतु समूह के साथ जाए साथ ही अपने साथ थाली बजाते हुए यंत्रों के साथ जाए तथा अपने बच्चों को जंगल ना ले जाए तथा अपने गरदानों पर कपड़ा बांधकर रखें साथ ही अपनी सुरक्षा स्वम करें यदि गुलदार दिखाई देता है।

इसकी सूचना वन विभाग को तत्काल दे ताकि समय के चलते कार्रवाई की जा सके जन सहयोग के बिना कोई भी कार्य संभव नहीं है उन्होंने बताया वैन विभाग गुलदार की घटनाओं को लेकर गंभीर है। जनमानस की सुरक्षा के लिए कटिबंध है।

साथ ही वन विभाग अधिकारियों का इन घटनाओं को रोकने में सहयोग कर करने में पूर्ण सहभागिता करें ग्राम पंचायत सचिवों से आह्वान करते हुए कहा ग्राम पंचायत तो में लगे ध्वनि नियंत्रण के माध्यम से ग्रामीणों को गुलदार से बचने के लिए जागरूक करें बैठक में ब्लॉक प्रमुख राकेश चौधरी, खंड विकास अधिकारी प्रताप सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनुराग चौधरी, डिप्टी रेंजर हरदेव सिंह, किसान यूनियन ब्लॉक अध्यक्ष उदित चौधरी, एडीओ दीनदयाल, एडीओ पंचायत मनोज कुमार, ग्राम पंचायत सचिव सचिन कुमार, विशेष कुमार, दीप अमर रही, जयवीर सिंह, शुभम मलिक, प्रताप खान चंद, पंकज सैनी, केशव कुमार, कुमारी दीपांशी शर्मा, कंचन चौहान, प्रियंका राजपूत, अतुल कुमार, अकरम आदि संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

व्यासपीठ पर महाराज जितेंद्र वशिष्ठ के श्रीमुख से रसपान कर रहे श्रद्धालु

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर के श्रीजी गोपीनाथ पुरम में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन भी श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होकर देर शाम तक कथा में भक्ति रसधारा प्रवाहित हो रही है। वृंदावन धाम आश्रम गोरक्षमणि, मथुरा के प्रख्यात कथावाचक व्यास श्री जितेंद्र वशिष्ठ जी महाराज के श्रीमुख से श्रद्धालु भागवत अमृत का रसपान कर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कर रहे हैं।

कथा के दौरान व्यास श्री महाराज ने श्रीकृष्ण रासलीला और श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि शरद पूर्णिमा की रात को भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी की मधुर ध्वनि छेड़ी तो गोपियाँ सब कुछ त्यागकर उनके पास पहुँचीं और रासलीला का आयोजन हुआ, जो जीव और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है।

रुक्मणी विवाह प्रसंग में यह संदेश दिया गया कि सच्चे भाव से भगवान को पुकारने पर वे भक्त की रक्षा अवश्य करते हैं। कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन किया और हरिनाम संकीर्तन से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। भक्ति रस में सराबोर भक्तजन झूम उठे। संध्या आरती के उपरांत मुख्य यजवान वीरेंद्र सिंह, (पूर्व ब्लाक) सह यजमान अरविंद लाम्बा, (रिटायर आर्मी) प्रमुख ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

डीएफओ कार्यालय पर भाकियू का धरना प्रदर्शन नौवें दिन समाप्त

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

स्थल पर भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह पहुंचे और उनके साथ वन विभाग नजीबाबाद के डीएफओ अभिनव राज,और एसडीओ ज्ञान सिंह बिजनौर, एसडीओ नजीबाबाद अंशुमान मित्तल, और शैलेंद्र कुमार एसडीएम नजीबाबाद मौजूद रहे।

इस अवसर पर भारी संख्या में संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे और सभी के समक्ष अधिकारियों से वार्ता हुई। जिसमें अधिकारियों से गुलदार की समस्या से निजात पाने के लिए गांव-गांव वन मित्र बनाए जाने का सुझाव दिया गया।

अमानगढ़ रेंज में वन्य भूमि पर खाई खुदवा कर तार फेंसिंग कराई जाए ।जिले भर में पिंजरो की संख्या बढ़ाई जाए। ट्रेंकुलाइज कर गुलदार को पकड़ने के लिए डॉक्टर की उपलब्धता अनिवार्य की जाए। साथ ही जिले में वन विभाग में वनकर्मियों की संख्या बढ़ाई जाए सभी बिंदुओं पर सकारात्मक वार्ता रही।

वन विभाग के डीएफओ ने सभी बिंदुओं पर सहमति जताई और धरना समाप्त करने के लिए अपील की ।इसके उपरांत युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह ने धरने समाप्त की घोषणा की।

इस मोके पर चौधरी बलराम सिंह, कुलबीर सिंह, सुखजिंदर सिंह, गोल्डी, हाजी हनीफ, नवीन राजपूत, पुनीतचौहान, मनिंदर सिंह, विजय सिंह, अतुल, अजीत राठी, डॉक्टर साइन अंसारी, अरविंद राजपूत, डिंपल, गजेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह, हिमांशु, अनमोल, आदि भारी संख्या में मौजूद रहे।

अपना दल एस के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी का नगीना में हुआ भव्य स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

अपना दल एस के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी के लगातार प्रयास से पार्टी बिजनौर जिले में सबसे ज्यादा मजबूत स्थिति में इस वक्त अन्य दलों से है। शैलेंद्र चौधरी किसी पहचान के मौहताज नहीं है। अंग्रेजों के जमाने से उनका परिवार राजनीति में सक्रिय हैं।

शैलेंद्र चौधरी के बारे में लोगों का कहना है।कि उनके पूर्वजो ने लोहा लिया था अंग्रेजों से ओर शैलेंद्र चौधरी लोहा ले रहे हैं जिले के चोरों, भ्रष्टाचारियों,गरीबो को सताने वाले दबंगों से। आज पूरे जिले मे गरीबों की ईमानदारी से आवाज उठाने वाला नेता सिर्फ अपना दल एस के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी है।

उनकी लोकप्रियता से हर कोई बैचेन है। शुक्रवार की दोपहर नगीना में आयोजित एक भव्य समारोह को संबोधित करते हुए शैलेंद्र चौधरी ने कहा कि वह राजनीति जाति धर्म की नहीं बल्कि ईमानदारी की करते हैं।ओर उन्हें किसी से डर नहीं लगता क्योंकि उनका मन साफ है।

वह जब तक जिंदा हैं लोगो की मदद तथा सेवा पूरी ईमानदारी से करते रहेंगे। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के दिशा निर्देशों के अनुसार वह हर पीड़ित व्यक्ति को इंसाफ दिलाने के लिए हर कुर्बानी देने को तैयार हैं। क्योंकि अपना दल एस की नीति सभी समाज को साथ लेकर चलने की है।

इसलिए वह बिना भेदभाव के सभी धर्म के लोगों की आवाज शासन प्रशासन तक उठाने के लिए हर समय तैयार हैं। हर पीड़ित व्यक्ति को इंसाफ दिलाना उनके जीवन का एकमात्र मकसद है। इस मौके पर नगीना नगर अध्यक्ष डॉक्टर शादाब, जफर अली, अली, अरमान,आलम, आरिफ, अकील, वकील अहमद, अशोक कुमार, प्रदीप चहल, वसीम अंसारी, खुर्शीद अहमद, सोनू, अरहान, सुमित वर्मा, सचिन कुमार, प्रदीप कुमार, राजवीर सिंह, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाकिर अली तथा संचालन सुनील कुमार ने किया।

आवारा कुत्तें और बंदर पकड़वाने SDM को सौंपा ज्ञापन

आवारा कुत्तों और बंदरों के कस्बे में बढ़ते आतंक के बीच आसपा नेता व जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष परवेज़ पाशी ने आबादी को निजात दिलाने की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आवारा कुत्तों और बंदरों के नगीना कस्बे में बढ़ते आतंक के बीच आसपा नेता व जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष परवेज़ पाशी ने आबादी को निजात दिलाने की मांग को लेकर एसडीएम नितिन कुमार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि नगर में काफी संख्या में आवारा पशु जैसे कुत्ते, बन्दर व गौवंश घूम रहे है जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संपादकीय

दिव्यांगजन की आवाज़ : मुख्यधारा से जुड़ने की पुकार

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता और समावेशिता मानी जाती है। संविधान ने हर नागरिक को समान अधिकार, गरिमा और अवसर की गारंटी दी है। परन्तु जब हम समाज के उस वर्ग की ओर देखते हैं, जिन्हें दिव्यांगजन कहा जाता है, तो यह गारंटी अक्सर खोखली दिखाई देती है। देश की जनगणना और हालिया सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि करोड़ों दिव्यांगजन आज भी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, यातायात, मीडिया और सार्वजनिक जीवन में हाशिए पर हैं।

संवैधानिक प्रावधान और कानून मौजूद हैं, परन्तु जमीनी श्तर पर उनकी स्थिति इस सच्चाई को बयान करती है कि वे अब भी अदृश्य नागरिकों की तरह जीवन जीने को विवश हैं।

समस्या केवल भौतिक अवरोधों की नहीं है, बल्कि मानसिकता और दृष्टिकोण की भी है। समाज का बड़ा हिस्सा अब भी दिव्यांगता को दया, बोझ या त्रासदी की दृष्टि से देखता है। यह सोच दिव्यांगजन की क्षमताओं और संभावनाओं को नकार देती है। उन्हें बराबरी का अवसर देने के बजाय या तो दया का पात्र बना दिया जाता है या हंसी का विषय।

भारतीय सिनेमा और टेलीविज़न ने भी लंबे समय तक इन्हीं रूढ़ियों को दोहराया है। हालांकि अब धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है, परन्तु यह बदलाव बहुत धीमा और सीमित है।

भारतीय न्यायपालिका ने कई बार दिव्यांगजन की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या हास्य के नाम पर किसी भी समुदाय की गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। हाल ही में दिए गए फ़ैसलों में मीडिया और मनोरंजन उद्योग को चेताया गया कि वे दिव्यांगजन को मजाक या दया का पात्र न बनाएं, बल्कि उनके संवैधानिक अधिकारों का सम्मान करें। इसके बावजूद समाज में गहरे जमे पूर्वाग्रह अब भी मौजूद हैं।

वास्तविक चुनौती केवल कानूनी संरक्षण से पूरी नहीं होती। समस्या यह है कि कानून और नीतियाँ लागू करने वाली संस्थाओं में पर्याप्त संवेदनशीलता और दृढ़ता का अभाव है। उदाहरण के लिए, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 ने शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में उनके लिए आरक्षण और सुविधाओं की गारंटी दी। परन्तु स्कूलों और कॉलेजों की इमारतें अब भी सीढ़ियों से भरी हैं, सरकारी दफ्तरों में व्हीलचेयर के लिए जगह नहीं है, और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अब भी दृष्टिबाधित या श्रवणबाधित लोगों के लिए आवश्यक विकल्प उपलब्ध नहीं कराए जाते।

दिव्यांगजन की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उन्हें 'सक्षम नागरिक' के बजाय 'निर्भर नागरिक' मान लिया गया है। यह सोच उन्हें समाज की मुख्यधारा से दूर कर देती है। जबकि सच्चाई यह है कि अवसर और सुविधा मिलने पर दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता साबित कर सकते हैं। खेल जगत में पैरा ओलंपिक खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ इसका प्रमाण हैं। शिक्षा और साहित्य से लेकर प्रशासन और विज्ञान तक दिव्यांगजन ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया है। समस्या क्षमता की नहीं, बल्कि अवसर और दृष्टिकोण की है।

यदि समाज सचमुच समावेशी बनना चाहता है, तो सबसे पहले उसकी सोच बदलनी होगी। दिव्यांगजन को दया या सहानुभूति की आवश्यकता नहीं है, उन्हें बराबरी के अधिकार और अवसर चाहिए। स्कूलों में बचपन से ही बच्चों को यह सिखाना होगा कि विविधता ही समाज की ताकत है। मीडिया और सिनेमा को जिम्मेदारी लेनी होगी कि वे दिव्यांगजन को केवल दुर्बलता के रूप में न दिखाएं, बल्कि उसे साहस, आत्मविश्वास और मानवीय गरिमा से जोड़कर पेश करें।

सार्वजनिक ढांचे को दिव्यांगजन की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना सबसे महत्वपूर्ण कदम है। मेट्रो स्टेशन, रेलवे प्लेटफार्म, बस अड्डे, अस्पताल, सरकारी कार्यालय, पार्क और शैक्षणिक संस्थान तब तक समावेशी नहीं कहे जा सकते, जब तक वे हर व्यक्ति के लिए सुलभ न हों। तकनीकी प्रगति इस दिशा में बहुत मददगार हो सकती है। डिज़िटल ऐप्स में वॉइस असिस्टेंट, स्क्रीन रीडर और सांकेतिक भाषा की सुविधाएँ जोड़कर हम लाखों दिव्यांगजन को ऑनलाइन शिक्षा और रोजगार से जोड़ सकते हैं।

समानता की इस लड़ाई में सरकार और समाज दोनों की साझी भूमिका है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि दिव्यांगजन के लिए बनाए गए कानून केवल कागज़ी दस्तावेज़ बनकर न रह जाएँ। उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वतंत्र निगरानी तंत्र बने। स्थानीय निकायों से लेकर राष्ट्रीय श्तर तक निर्णय प्रक्रिया में दिव्यांगजन की भागीदारी हो। उनकी ज़रूरतों और सुझावों को सुने बिना कोई नीति या योजना पूरी नहीं हो सकती।

वहीं समाज की भूमिका और भी बड़ी है। हर व्यक्ति को अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दिव्यांगजन सम्मान और बराबरी के साथ जी सकें। सार्वजनिक कार्यक्रमों, चुनावी रैलियों और सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी भागीदारी बढ़े। यह तभी संभव है जब हम उन्हें दया नहीं, अधिकार का दर्जा देंगे।

भारत का संविधान हमें बराबरी, गरिमा और स्वतंत्रता की गारंटी देता है। यदि समाज का एक बड़ा हिस्सा इन अधिकारों से वंचित रहता है, तो लोकतंत्र अधूरा रह जाता है। दिव्यांगजन को हाशिए से मुख्यधारा में लाना केवल मानवता का कर्तव्य नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की बुनियादी शर्त भी है। जब तक दिव्यांगजन की आवाज़ नीतियों और समाज दोनों में बराबर न सुनी जाएगी, तब तक समावेशी भारत का सपना अधूरा रहेगा।

इसलिए आज समय की सबसे बड़ी पुकार यही है कि दिव्यांगजन को अदृश्य नागरिक नहीं, बल्कि परिवर्तन और प्रगति के सक्रिय साझीदार माना जाए। उनकी क्षमताओं और सपनों को पहचान कर ही हम उस समाज का निर्माण कर सकते हैं, जहाँ कोई पीछे न छूटे।

मणिपुर की उलझन व प्रधानमंत्री का आगमन

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

मणिपुर की दक्षिणी पहाडि़यों में खादौ समुदाय के लोग रहते हैं। यह समुदाय पहाड़ के लिहाज से बड़ा ही कहा जाएगा। शुरू में इस समुदाय को कुकी कहा जाने लगा। बाद में कुछ और छोटे समुदायों को खादौ के साथ नत्थी कर कुकी शब्द को विश्तार दिया गया।

एंथ्रोपोलोजी में माथापच्ची करने वाले कोशिश करते रहते हैं किसी तरह म्यांमार के चिन प्रदेश में रहने वाले समुदायों, मिजोरम के मिजो जिन्हें 'जो' भी कहा जाता है, और मणिपुर के उन समुदायों को जिनकी अपनी पहचान अब धीरे-धीरे उभर रही है, को सम्मिलित रूप में किसी तरह एक ही मूल के स्थापित किया जा सके।

इस प्रकार का बहुत सा साहित्य भी यूरोपीय भाषाओं में प्रकाशित होता रहता है। दक्षिणी पहाडि़यों में जो सबसे बड़ा पहाड़ी समाज रहता है उसे खादौ कहा जाता है। उत्तरी पहाडि़यों में सबसे बड़ा पहाड़ी समाज तांखुल कहा जाता है... मणिपुर पिछले कुछ समय से अशांत है। मणिपुर की घाटी में रहने वाले मैतेयी समुदाय और मणिपुर की दक्षिणी पहाडि़यों में रहने वाले लगभग तीस-चालीस पहाड़ी समुदायों के लोगों में विवाद चल रहा है।

पहाड़ी समुदायों के लोगों ने मैदानी मैतेयी समाज के लोगों का पहाड़ में प्रवेश बंद कर रखा है और मैदान का मैतेयी समाज पहाड़ी समुदायों को घाटी में घुसने नहीं दे रहा। इसको लेकर बहुत खून-खराबा भी हुआ। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर गए थे। उन्होंने वहां दो जनसभाओं को संबोधित किया था। मैदानी इलाके की सभा इंफाल में हुई और पहाड़ी इलाके की सभा चुराचांदपुर जिला हैडक्वार्टर में हुई।

प्रधानमंत्री ने विकास के अनेक प्रकल्प शुरू करने की घोषणा भी की। स्थानीय जनता में इसके लिए उत्साह भी देखा गया। लेकिन मोदी के इस दौरे को समझने के लिए इस विवाद को समझना जरूरी है। भारत का उत्तरी क्षेत्र हिमालयी क्षेत्र कहलाता है। इस क्षेत्र का भूगोल दो प्रकार का है। घाटियां भी हैं और पर्वतीय श्रृंखलाएं भी हैं।

घाटी में रहने वाले लोग मैदानी क्षेत्र के निवासी कहलाते हैं और पर्वतीय श्रृंखलाओं पर रहने वाले लोग पहाड़ी कहलाते हैं। यह विभाजन केवल भारत में ही नहीं है, दुनिया भर में है। लेकिन इस विभाजन का आधार भूगोल है। मैदान और पहाड़ का मनोविज्ञान भी कुछ सीमा तक अलग होता है।

इस लिए दूसरा विभाजन मनोवैज्ञानिक होता है। भूगोल का विभाजन दिखाई देता है, लेकिन मनोवैज्ञानिक विभाजन दिखाई तो नहीं देता, पर व्यवहार में अनुभव किया जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि दोनों का मनोविज्ञान एक-दूसरे का विरोधी होता है।

अलग होना और विरोधी होना दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं। हिमालय के इस पूरे उत्तरी क्षेत्र को भूगोल के लिहाज से ही पूर्वोत्तर और पश्चिमोत्तर में बांटा जाता है। पूर्वोत्तर और पश्चिमोत्तर दोनों में ही घाटियां और पहाड़ हैं। इसलिए दोनों क्षेत्रों में मोटे तौर पर मैदानी लोग और पहाड़ी लोग रहते हैं। इस लिहाज से जनसंख्या का विभाजन भी मैदानी और पहाड़ी के आधार पर ही होता है।

प्राचीन ग्रंथों में पूर्वोत्तर भारत को किरात प्रदेश के नाम से भी जाना जाता है। मंगोल चेहरे मोहरे के कारण पहाड़ के लोगों को किरात भी कहा जाता था।

किरात में उत्तर-पूर्व के सभी पहाड़ी लोग आ जाते हैं, इसी प्रकार पश्चिमोत्तर भारत को सप्त सिन्धु भी कहा जाता है। लेकिन उत्तर-पूर्व भारत में रहने वाले सभी पहाड़ी लोग एक ही बिरादरी के नहीं हैं, जैसे हिमाचल प्रदेश में रहने वाले सभी पहाड़ी एक ही बिरादरी के नहीं हैं।

वे किन्नर, भोट, लाहुले, गद्दी, गुज्जर इत्यादि अनेक समुदायों से ताल्लुक रखते हैं। इसी प्रकार पूर्वोत्तर में पहाड़ी लोग सैकड़ों समुदायों में बंटे हुए हैं।

उदाहरण के लिए आदी, निशी, नोक्ते, शेरदुकपेन, गारो, खासी, जयन्तिया, त्रिपुरी, जमातिया, देववर्मन, चांग, खादौ, तांखुल, पाएते व गंगते इत्यादि। वैसे यह सूची सैकड़ों तक फैली हुई है।

लेकिन एक बात ध्यान में रखनी चाहिए जब मैदान का कोई व्यक्ति पहाड़ में रहने वाले किसी व्यक्ति को पहाडि़या कह कर पुकारता है तो वह केवल भूगोल के भाव से नहीं पुकारता, बल्कि उसके मन में पहाड़ के रहने वाले पहाडि़यों के लिए या तो दया का भाव है या फिर हिकारत का भाव है।

यही स्थिति असम के मैदानी इलाके में रहने वाले लोगों के मन में वहां के पहाड़ी लोगों के लिए प्रायः रहती है। मैदानी क्षेत्र और पहाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के बीच की अनेक समस्याओं का कारण भूगोल के अलावा यह भाव ही है। भूगोल के कारण उत्पन्न होने वाली सब से बड़ी समस्या तो व्यावहारिक होती है।

इस पृष्ठभूमि के बाद हम अपनी चर्चा केवल मणिपुर तक सीमित रखेंगे। इसलिए मणिपुर के भूगोल को ध्यान में रखते हुए इसे देखना होगा। मान लो यदि मणिपुर के पहाड़ों में रहने वाले दो समुदायों खादौ और खामलेंग में झगड़ा हो गया तो यकीनन खामलेंग, खादौ के पहाड़ में आने और बाहर जाने के राश्ते रोक सकते हैं। यदि मैतेयी और खादौ में झगड़ा हो जाता है तो दोनों एक दूसरे के तमाम राश्ते बंद कर सकते हैं। स्थिति पिंजरे में पड़े कबूतर जैसी हो सकती है। मणिपुर के मैदानी इलाके में रहने वाले लोगों को मैतेयी कहा जाता है। इसके अतिरिक्त कुछ मुसलमान भी मैदानी इलाके में रहते हैं जो कभी बंगाल से आए थे।

उन्हें पांगल कहा जाता है। इसके अतिरिक्त मणिपुर के पहाड़ों में रहने वाली लगभग पचपन समुदाय हैं। ये पचपन समुदाय भी भूगोल के हिसाब से दो हिस्सों में बंटे हुए हैं। दक्षिणी पहाडि़यों में रहने वाले लगभग चालीस समुदाय हैं जिन्हें ब्रिटिश शासकों ने सामूहिक रूप से कुकी कहना शुरू किया, और उत्तरी पहाडि़यों में रहने वाले लगभग चौदह समुदायों को नागा कहना शुरू कर दिया।

पिछले कुछ दशकों से दक्षिणी पहाडि़यों के समुदायों के लिए सामूहिक आधार पर कुकी नाम प्रचलन में है। जब यह शब्द प्रचलन में आ गया है तो एंथ्रोपोलोजिस्ट इसके लिए उपयुक्त तर्कों की तलाश में लगे रहते हैं। यह शब्द भ्रममूलक है और असम में अंग्रेजों के आने के बाद ही प्रचलन में आया।

मणिपुर की दक्षिणी पहाडि़यों में खादौ समुदाय के लोग रहते हैं। यह समुदाय पहाड़ के लिहाज से बड़ा ही कहा जाएगा। शुरू में इस समुदाय को कुकी कहा जाने लगा। बाद में कुछ और छोटे समुदायों को खादौ के साथ नत्थी कर कुकी शब्द को विश्तार दिया गया।

एंथ्रोपोलोजी में माथापच्ची करने वाले कोशिश करते रहते हैं किसी तरह म्यांमार के चिन प्रदेश में रहने वाले समुदायों, मिजोरम के मिजो जिन्हें 'जो' भी कहा जाता है, और मणिपुर के उन समुदायों को जिनकी अपनी पहचान अब धीरे-धीरे उभर रही है, को सम्मिलित रूप में किसी तरह एक ही मूल के स्थापित किया जा सके।

इस प्रकार का बहुत सा साहित्य भी यूरोपीय भाषाओं में प्रकाशित होता रहता है। दक्षिणी पहाडि़यों में जो सबसे बड़ा पहाड़ी समाज रहता है उसे खादौ कहा जाता है। इसी प्रकार उत्तरी पहाडि़यों में जो सबसे बड़ा पहाड़ी समाज है उसे तांखुल कहा जाता है। ब्रिटिश साम्राज्यवादियों ने मैतेयी, खादौ और तांखुल में विवाद पैदा किए।

मणिपुर का वर्तमान विवाद भी इसी अविश्वास में से पैदा हुआ है। सरकार विकास को गति दे सकती है लेकिन अविश्वास की इस भावना को तो प्रदेश के समाजशास्त्रियों को स्वयं दूर करना होगा। इस दिशा में पहल भी हुई है। सबसे बड़े पहाड़ी समुदाय खादौ ने कहा है कि उसे कुकी कहना बंद किया जाए।

यह अपमानजनक ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति को नष्ट करने का षड्यंत्र है। इस प्रदेश में दोनों समुदायों के विकास से समस्याओं का हल खोजा जा सकता है। एक-दूसरे समुदाय का अशितत्व स्वीकार करना भी जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार है)

क्यों डूबा पंजाब?

सुचा सिंह

उत्तर-पश्चिम भारत का राज्य पंजाब नियमित रूप से मॉनसूनी बाढ़ का सामना करता है। इसका मुख्य कारण यह है कि सतलुज, ब्यास और रावी नदियां अक्सर अपने किनारों से ऊपर बहने लगती हैं, जिससे भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर बांधों से अत्यधिक पानी छोड़ना पड़ता है।

राज्य की सपाट मैदानी भूमि इसे बाढ़ से डूबने के लिए अत्यधिक संवेदनशील बनाती है। यद्यपि बाढ़ प्रबंधन योजनाएं और अन्य बाढ़ नियंत्रण उपाय पहले से मौजूद हैं, फिर भी इन बाढ़ों से हजारों एकड़ कृषि भूमि का नुकसान होता है, मनुष्यों और पशुधन की मृत्यु होती है, संपत्ति, संसाधनों और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है, विशेषकर राज्य के बेत (नदी के किनारे की बाढ़-प्रवण भूमि) क्षेत्रों में।

अगश्त के अंतिम सप्ताह और सितंबर 2025 के शुरुआती दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में जलवायु परिवर्तन से प्रेरित तीव्र और लम्बे समय तक जारी वर्षा के कारण हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब में अचानक विनाशकारी आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) आई। यद्यपि पंजाब ने सितंबर 1988, जुलाई 1993 और अगश्त 2013 में सतलुज, ब्यास और रावी नदियों के किनारे बड़े पैमाने पर बाढ़ देखी थी, लेकिन अगश्त 2025 की बाढ़ को पिछले तीन दशकों की सबसे भीषण बाढ़ माना जा रहा है क्योंकि इसने अत्यधिक नुकसान पहुंचाया।

बाढ़ के कारण पंजाब के 2, 000 से अधिक गांवों में करीब 4 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। सबसे अधिक प्रभावित जिला गुरदासपुर रहा, इसके बाद अमृतसर, फिरोजपुर और फाजिल्का का स्थान है। 8 सितंबर तक 48 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

इस जलप्रलय ने 1.76 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि, विशेषकर धान की फसल को नुकसान पहुंचाया और बाढ़ का पानी गुरदासपुर, अमृतसर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का, जालंधर और रूपनगर (रोपड़) जिलों के 1, 400 से अधिक गांवों में फैल गया है। पटियाला जिले ने भी हरियाणा की सीमा से लगते घग्गर नदी के किनारे बसे गांवों में जलभराव की सूचना दी। दिलचस्प बात यह रही कि पंजाब के प्रमुख शहर जैसे मोहाली, लुधियाना, जालंधर, अमृतसर और राज्य की राजधानी चंडीगढ़ में भी शहरी फ्लैश फ्लड (शहरों में अचानक आई बाढ़) के दृश्य देखे गए।

1 से 3 सितंबर 2025 के बीच भारी और लगातार बारिश के कारण सड़कों, आवासीय और वाणिज्यिक परिसरों में जलभराव हो गया। "अल्प अवधि में अत्यधिक वर्षा" हाल के वर्षों में पंजाब और उत्तर-पश्चिम भारत के अन्य पड़ोसी राज्यों में आम होती जा रही है। साथ ही, शहरी फ्लैश फ्लड की स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इन शहरों की पुरानी सीवरेज और ड्रेनेज प्रणालियों को तत्काल दुरुश्त करने की आवश्यकता है।

समाचार रिपोर्टों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर साझा वीडियो का विश्लेषण दर्शाता है कि सरकारी और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्रामीणों ने नदियों के कमजोर धुस्सी बांधों (अस्थायी तटबंधों) को मजबूत करने, प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को धर्मशालाओं, गुरुद्वारों, सामुदायिक केंद्रों और स्कूलों में बनाए गए आश्रयों तक पहुंचाने, पीड़ितों के लिए लंगर (सामुदायिक रसोई) का आयोजन कर भोजन उपलब्ध कराने और गांव के गुरुद्वारों के लाउडस्पीकरों व सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से बाढ़ की स्थिति की चेतावनी देने जैसे अनेक कार्य किए। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और स्थानीय गैर-सरकारी संगठन, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, प्रसिद्ध पंजाबी गायक और अभिनेता भी इन राहत कार्यों में सक्रिय रहे और आर्थिक सहयोग किया।

कारण और प्रबंधन की कमियां

2025 की व्यापक बाढ़ के प्रमुख कारण प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों थे। पंजाब में 30 अगश्त तक 24 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई, जहां सामान्य तौर पर 357.1 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, वहां 443 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा, 28 अगश्त से 3 सितंबर तक भारत ने सामान्य से 48 प्रतिशत अधिक वर्षा प्राप्त की, जिसका औसत 75.2 मिमी था। इस वर्ष अब तक की कुल मॉनसूनी वर्षा सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक रही है।

इस प्रकार, उत्तर-पश्चिम भारत ने इस साल भारी मॉनसूनी वर्षा का अनुभव किया, जिससे पंजाब सहित कई राज्यों में बाढ़ आई। हिमाचल प्रदेश से क्लाउडबर्स्ट (मेघ फटना) के कारण आई सतही बाढ़ ने पंजाब से बहने वाली तीन नदियों का जलश्तर अचानक बढ़ा दिया।

मॉनसून ट्रफ का सक्रिय होना, पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती तंत्र इस क्षेत्र में अधिक वर्षा के मुख्य कारण बताए जा रहे हैं। मानव कारकों में सबसे प्रमुख रहा सतलुज, ब्यास और रावी नदियों के किनारे धुस्सी बांधों का टूटना। इन कमजोर बांधों को मॉनसून से पहले पर्याप्त रूप से मजबूत, ऊंचा और रखरखाव नहीं किया गया था।

मुख्य नदियों के बाढ़ के मैदानों (फ्लडप्लेन) पर अवैध अतिक्रमण, खेती और बश्तियां बसाना भी नुकसान बढ़ाने का बड़ा कारण बना। केवल रूपनगर जिले की सतलुज नदी के 'बेला बेल्ट' पर 50, 000 लोग रहते हैं और गुरदासपुर जिले में ब्यास और रावी नदियों के किनारे 450 गांव बसे हुए हैं। यह सरकार की इस समस्या पर उदासीनता को दर्शाता है।

पंजाब की नदियों और बांधों की जलधारण क्षमता गाद जमने (सिल्टेशन) से घट गई है और समय पर गाद निकासी (डीसिल्टिंग) न करने से स्थिति और बिगड़ गई। दक्षिण-पश्चिमी जिलों में नहरों और ड्रेनों के जाम होने से बाढ़ और बढ़ी, क्योंकि इन जिलों में नहरों का घना नेटवर्क मौजूद है।

मानव-निर्मित रुकावटें जैसे सड़कों का निर्माण, खराब योजना वाले पुल और प्राकृतिक जलनिकासी प्रणालियों जैसे मौसमी नालों पर कंक्रीट की दीवारें और अतिक्रमण अतिरिक्त पानी के प्राकृतिक प्रवाह को रोक देते हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि शहरी फ्लैश फ्लड की नई समस्या उत्पन्न हो गई। अंततः, जिलों के पास बाढ़ प्रबंधन योजनाएं तो थीं लेकिन उनका क्रियान्वयन अक्सर विलंबित और सीमित रहा।

भविष्य का बाढ़ प्रबंधन

पंजाब में जोखिम और बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते है

1. बाढ़-मैदान जोनिंग नियमों को सख्ती से लागू करना – बाढ़ की सीमा और बाढ़-मैदानों में खेती या बश्तियां बसाने से रोकना चाहिए, जिससे फसल, संपत्ति और जान-माल का नुकसान कम किया जा सके।

2. विभागीय समन्वय – बेहतर योजना, निगरानी, संवेदनशील क्षेत्रों का मानचित्रण और पूर्व चेतावनी तंत्र के लिए मौसम विभाग (आईएमडी), सिंचाई विभाग और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के बीच सहयोग आवश्यक है।

3. भौतिक उपाय – संवेदनशील स्थानों पर अस्थायी तटबंधों का निर्माण और उनका नियमित रखरखाव, बांधों व नदियों की गाद निकासी (डीसिल्टेशन) मॉनसून से पहले करना जरूरी है।

4. शहरी ढांचे का सुधार – पुराने सीवरेज और ड्रेनेज सिस्टम का उन्नयन तथा शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल निकासी नालों का पुनर्जीवन।

5. पर्याप्त वित्तीय आवंटन – जाम नहरों और सीवेज ड्रेनों की सफाई के लिए उचित धन आवंटित किया जाए, क्योंकि ये शहरी बाढ़ का मुख्य कारण हैं।

6. वित्तीय क्षतिपूर्ति – बाढ़ आने पर नुकसान की भरपाई के लिए समय पर आर्थिक मुआवज़ा देना आवश्यक है, ताकि प्रभावित समुदाय बीमारी और जलजनित रोगों के प्रकोप से भी उबर सकें।

7. समुदाय की भागीदारी – स्थानीय लोगों और गैर-सरकारी संगठनों को तैयारी और राहत कार्यों में शामिल करना चाहिए।

8. प्रशासनिक मजबूती – जिला आपदा प्रतिक्रिया केंद्रों को पर्याप्त वित्तीय और राजनीतिक सहयोग सुनिश्चित कर उनकी क्षमता बढ़ाई जाए, ताकि वे बाढ़ की घटनाओं में प्रभावी समन्वय और प्रतिक्रिया दे सकें।

(लेखक पंजाब विश्वविद्यालय के दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र में भूगोल के सहायक प्राध्यापक हैं)

भारत के लिए चेतावनी है सऊदी-पाकिस्तान समझौता

अर्जुन देशप्रेमी

अर्जुन देशप्रेमी

पिछले कुछ समय के दौरान लगातार कुछ ऐसी घटनाएं और गतिविधियाँ हो रही हैं जिनको लेकर भारत घिरता नज़र आ रहा है। पहले श्रीलंका, फिर बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में जो कुछ हुआ, वह भारत के लिए किसी भी लिहाज़ से अच्छा नहीं माना जा सकता है।

इसी बीच भारत और पाकिस्तान के बीच जंग भी होती है जिसके बाद अमेरिका अचानक से पकिश्तान के पाले में चला जाता है और भारत पर एक के बाद एक आरोपों की बौछार ही नहीं करता, वरन भारत पर टैरिफ बम भी फोड़ देता है।

जिस रूस और युक्रेन युद्ध से भारत का कोई लेना देना नहीं है, उसे मोदी का युद्ध बताने लगता है और उसकी आड़ में भारत पर एक तरह से प्रतिबंधात्मक शुल्क (टैरिफ) भी लगा देता है जिससे भारत के लिए अमेरिका को किया जाने वाला निर्यात प्रभावित होता है। इन सबसे अभी उबरने की प्रक्रिया चल ही रही होती है कि अचानक से सऊदी अरब और पकिश्तान के बीच एक ऐसा समझौता होता है जिसका सीधा असर भारत पर पड़ना तय है।

दरअसल सऊदी अरब और पाकिश्तान ने 17 सितंबर, 2025 को जिस 'रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते' पर हश्ताक्षर किए हैं उसके तहत, किसी भी देश पर हमला होने पर इसे दोनों पर हमला माना जाएगा, यानि अगर भारत ऑपरेशन सिन्दूर के तहत या किसी और कारण से पकिश्तान पर हमला करता है, तो सऊदी अरब अपने ऊपर हमला मानेगा और भारत से युद्ध आरम्भ करेगा।

यह समझौता पश्चिमी देशों के नाटो संगठन के समान है, जिसमें 'एक पर हमला, सब पर हमला' का सिद्धांत अपनाया जाता है। इसके साथ ही इस समझौते से सऊदी अरब को पाकिश्तान के परमाणु हथियार का अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जबकि आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिश्तान को सऊदी अरब से वित्तीय सहायता मिल सकती है।

इससे पकिश्तान को एक तरह से सऊदी अरब से भारी भरकम आर्थिक मदद मिलेगी जिनसे वह हथियार खरीदेगा और जाहिर है वह उनका इश्तेमाल भारत के खिलाफ करेगा। इतना ही नहीं, अगर समझौते को सऊदी अरब ठीक से मानेगा तो वह अपने प्रभाव वाले दूसरे मुस्लिम देशों को भी भारत के खिलाफ लामबंद करेगा जिससे पकिश्तान को और मदद मिलेगी।

कहने को तो यह समझौता पश्चिम एशिया में नए समीकरणों का संकेत देता है, खासकर कतर पर हाल ही में इजरायली हमले और अमेरिका पर से घटते भरोसे के बाद।

पर सच यह है कि सऊदी अरब और अमेरिका के बीच सामरिक सुरक्षा का समझौता है जिससे उसके पास अमेरिका के हथियार भी हैं और अमेरिका पर प्रभाव भी। ऐसे में इसका भी भारत पर असर पड़ सकता है। सच में देखें तो भारत के लिए एक गंभीर मामला है।

भारत की मुख्य चिंता यह है कि पाकिस्तान इस समझौते का सहारा लेकर भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे सकता है, यह जानते हुए कि सऊदी अरब से उसे वित्तीय और कूटनीतिक मदद मिलेगी। हालाँकि भारत के सऊदी अरब के साथ मजबूत व्यापारिक और सामरिक संबंध हैं। सऊदी अरब भारत का तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है। पकिश्तान के साथ जंग में वह भारत की तेल आपूर्ति रोक भी सकता है।

हालांकि एक सच्चाई यह भी है कि सऊदी अरब कोई ऐसी सैन्य ताकत नहीं है जिससे भारत पर इसका बड़ा असर पडेगा, पर आर्थिक रूप से पकिश्तान को इससे मजबूती मिलेगी जो भारत के खिलाफ जाएगी। बड़ी दिक्क़त यह होगी कि भारत तेल के लिए आयात पर निर्भर है और सऊदी अरब से भारत बड़ी मात्रा में तेल खरीदता है। अगर संकट के समय सऊदी अरब ने तेल रोका तो दिक्क़त और बढ़ जाएगी। पर अच्छी बात यह है कि भारत अब तेल के लिए मिडिल ईस्ट पर ज़्यादा निर्भर नहीं रहेगा।

अंडमान सागर में लगभग 2 लाख करोड़ लीटर कच्चे तेल का बड़ा भंडार मिलने की संभावना जताई जा रही है। अगर यह अनुमान सच हुआ, तो भारत की जीडीपी। जो फिलहाल 4.18 ट्रिलियन है, वो सीधा 20 ट्रिलियन तक पहुंच सकती है।

इस खोज के बाद देश को बाहर से तेल आयात करने की ज़रूरत भी काफी कम हो जाएगी। वैसे भी भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ाया है और दूसरे देशों से निर्भरता कम की है। जिस तरीके से भारत सौर उर्जा से ऊर्जा प्राप्ति को बढ़ाया है और बिजली से चलने वाली गाड़ियों पर फोकस किया है। ऐसे में तेल भारत के लिए संभलना काफी हद तक मुमकीन होगा।

दूसरी बात यह भी सच है कि भारत पकिश्तान जंग में सऊदी अरब का कूदना काफी मुश्किल ही लगता है। अगर वह ऐसा करता है, तो उसके सैकड़ों अरब डालर के भारत में निवेश पर पानी फिर सकता है और सऊदी अरब के लिए जरूरी जिंसों की चेन सप्लाई पर असर पड़ सकता है। इसके बाद भी पाकिस्तान को सऊदी अरब का समर्थन मिलने से दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन बदलने का ख़तरा दिख रहा है।

'मुस्लिमब्रदर हुड' के नाम पर इसी तरह के समझौते पकिश्तान यदि दूसरे कुछ मुस्लिम देशों के साथ भी करता है तो यह स्थिति भारत के लिए और खतरनाक हो सकती है। संभव है कि भारत की स्थिति इजराइल जैसी हो जाये। इससे पाकिश्तान को कश्मीर, आतंकवाद या जल-विवाद जैसे मुद्दों पर अधिक कठोर रुख अपनाने का बल मिल सकता है जो किसी भी नज़रिए से भारत के लिए ठीक नहीं होगा।

ऐसे में भारत को सऊदी अरब के साथ अपने संबंधों को सावधानी से निभाना होगा ताकि यह समझौता दोनों देशों के बीच संबंधों को खराब न करे।

समय आ गया है जब भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों की समीक्षा करे और संभावित खतरों से निपटने के लिए नई रणनीतियाँ बनाये। भारत को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अन्य देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की भी जरूरत है, खासकर उन देशों के साथ जो इस समझौते से प्रभावित हो सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन।सी।आर। प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www lkhabariya lcom **ई-मेल**: todayncr@gmail।com >> ncrtoday@hotmail।com **RNI**-UPHIN/2009/30721

नो पार्किंग में खड़े वाहन क्रेन से उठाए जाएंगे 500 रुपये का जुर्माना, 35 पार्किंग स्थल चिन्हित

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए नगर निगम ने 35 पार्किंग स्थल चिन्हित किए हैं। गुरुवार को नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने इन स्थलों का निरीक्षण कर अंतिम मुहर लगाई। अगले हफ्ते टेंडर और अगले महीने से यह व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। दुपहिया वाहनों से 15 रुपये और चार पहिया वाहनों से न्यूनतम पार्किंग शुल्क 30 रुपये लेने का प्रस्ताव है। खास बात यह है कि निगम ने नो पार्किंग में खड़े होने वाले वाहनों को उठाने की भी योजना बनाई है।

ऐसे वाहनों को क्रेन से उठाकर पार्किंग में खड़ा किया जाएगा और वाहन स्वामी से 500 रुपये जुर्माना लिया जाएगा।

जुलाई में लागू हुई नई पार्किंग नीति के तहत 12 मीटर या उससे ज्यादा चौड़ी सड़क के किनारे उपयुक्त स्थान में पार्किंग बनाई जा सकती है। पार्किंग स्थल में पानी, शौचालय, शेड की बाध्यता भी समाप्त कर दी गई है। नगर आयुक्त के अनुसार निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि शहर के प्रमुख बाजारों और व्यस्त क्षेत्रों में अतिक्रमण एवं अवैधानिक पार्किंग के कारण यातायात व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। वाहन इधर-उधर खड़े किए जाने से जाम भी लगता है। इस समस्या से निजात के लिए निगम पार्किंग स्थल और वेंडिंग ज़ोन चिह्नित कर रहा है। इन स्थलों पर पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

अवैधानिक पार्किंग व अतिक्रमण न करने की अपील– अगले महीने से यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। मासिक पास भी बनेंगे। सदन की आगामी बैठक में शुल्क की दरों पर मुहर लगवाने के लिए प्रस्ताव रखा जाएगा। उन्होंने यातायात व्यवस्था सुव्यवस्थित करने के लिए लोगों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने और अवैधानिक पार्किंग व अतिक्रमण न करने की अपील की। इसी तरह चिह्नित वेंडिंग जोन में छोटे दुकानदारों व रेहड़ी-पटरी वालों को स्थान उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है। नई पार्किंग

व्यवस्था लागू करने के लिए नगर आयुक्त और डीसीपी (यातायात) की बैठक में सहमति बनी है।

ये हैं पार्किंग स्थल–सिटी सेंटर व ग्लोबस द मॉल, नाला रोड सुतरखाना, वाटर पार्क हंसपुरम, ग्रामीण बैंक हंसपुरम, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया वाई- ब्लाक किदवईनगर, परिणय गेस्ट हाउस श्यामनगर, एसबीआई ई-ब्लाक श्यामनगर, नौबस्ता चौराहा (स्वाति हॉस्पिटल के बगल में), रामादेवी चौराहा अंडरपास के नीचे, डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजूकेशन सेंटर के पास श्यामनगर छप्पन भोग चौराहा, न्यू चुंगी के पास, लालबंगला बाजार की पार्किंग, म्यूजिकल फाउंटेन किदवईनगर के बगल में, हनुमान मंदिर के बगल में 40 दुकान बाजार, पेट्रोल लाइन मैदान कर्रही बाजार, हाईटेंशन लाइन के नीचे जरौली बाजार, सोटे वाले बाबा मंदिर के बगल में संजय वन बाजार, रामलीला पार्क के मुख्य द्वार से जलकल विभाग बाउंड्री बाल पंपिंग स्टेशन के गेट के पास तक, अटल घाट, मोतीझील परिसर नगर निगम, राजीव वाटिका के आसपास, कारगिल पार्क के आसपास, तुलसी उपवन के बाहर, लाजपत भवन के बाहर, पनकी हनुमान मंदिर के बाहर, कुलवंती हॉस्पिटल के सामने, सेंटर पार्क दर्शनपुरवा, फजलगंज में एसबी मोटर के सामने फ्लाईओवर के नीचे, आरएसपीएल के पास फजलगंज, कालपी रोड स्थित लक्ष्मी रतन टाटा भवन 84 बटे 28 जीटी रोड के किनारे, स्वराज इंडिया पब्लिक स्कूल के सामने फुटपाथ, कानपुर मेडिकल सेंटर व लोटस हॉस्पिटल के बाहर, फार्च्यून हॉस्पिटल के सामने शारदानगर, विशाल मेगा मार्ट के सामने फुटपाथ, मेडीहेल्थ सेंटर के बाहर फुटपाथ पर।

एक ही ठेकेदार को सभी पार्किंग स्थलों का ठेका–निगम सभी पार्किंग स्थलों का ठेका एक ही ठेकेदार को देगा। सभी पार्किंग स्थलों में शुल्क लेकर पीओएस मशीन से तत्काल रसीद दी जाएगी। इस प्रकार होने वाली आय का कुछ हिस्सा ठेकेदार को और शेष नगर निगम को मिलेगा। सभी पार्किंग के गेट पर डिजिटल बोर्ड लगेगा जिस पर वाहनों की क्षमता, खड़े वाहनों की संख्या और कितनी गाड़ियों के लिए स्थान उपलब्ध है यह प्रदर्शित होता रहेगा। वाहन खींचने के लिए तीन-तीन कर्मियों की टीमें बनेंगी। प्रत्येक टीम में ठेकेदार और निगम का एक-एक कर्मचारी और एक पुलिस कर्मी शामिल होगा। ये टीमें नो पार्किंग स्थलों से क्रेन से टोचिंग कर गाड़ी नजदीकी पार्किंग स्थल पर लाएंगी। वहां न्यूनतम 500 रुपये दंड शुल्क वसूलकर वाहन छोड़ा जाएगा।

सफाई व्यवस्था, जलभराव स्थलों का निरीक्षण– नगर आयुक्त ने गुरुवार सुबह शहर की सफाई, स्वच्छता व्यवस्था और बारिश से हुए जलभराव का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न स्थलों पर पहुंचकर सफाई की व्यवस्था, नालों की सफाई की स्थिति, जलभराव निस्तारण के लिए किए जा रहे कार्यों को देखा। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस मौसम में किसी भी क्षेत्र में जलभराव न हो। नियमित रूप से नालों की सफाई सुनिश्चित की जाए।

अपर्णा यादव की मां समेत एलडीए के पांच तत्कालीन कर्मियों पर केस दर्ज, जमीन घोटाले में विजिलेंस ने की कार्रवाई

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव की मां अंबी बिष्ट समेत एलडीए के पांच तत्कालीन कर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई विजिलेंस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और आपराधिक साजिश रचने की धाराओं के तहत की है। जानकीपुरम जमीन घोटाले को अंजाम देने में उनकी भूमिका के पुख्ता प्रमाण विजिलेंस की गोपनीय जांच में मिलने पर शासन के आदेश पर कार्रवाई की गई है। बता दें कि अपर्णा यादव पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव की पत्नी हैं।

विजिलेंस ने की थी हेराफेरी की जांच–विजिलेंस की एफआईआर के मुताबिक, शासन ने वर्ष 2016 में जानकीपुरम योजना में भूखंडों के आवंटन में बदलाव कर पंजीकरण करने में हुई हेराफेरी की जांच का आदेश विजिलेंस को दिया था। इसके तहत लखनऊ विकास प्राधिकरण के तत्कालीन लिपिक मुक्तेश्वर नाथ ओझा की भूमिका तलाशनी थी।

जांच में इन लोगों के नाम आए सामने–जांच में पता चला कि इस हेराफेरी को अंजाम देने की साजिश में तत्कालीन संपत्ति अधिकारी अंबी बिष्ट के साथ अनुभाग अधिकारी वीरेन्द्र सिंह, उप सचिव देवेंद्र सिंह राठौर, वरिष्ठ कास्ट अकाउंटेंट एसवी महादाणे और अवर वर्ग सहायक शैलेंद्र कुमार गुप्ता भी शामिल थे।

भूखंडों के बैनामों की फोरेंसिक जांच में इनके द्वारा हस्ताक्षर करने की पुष्टि होने के बाद शासन को रिपोर्ट भेजकर मुकदमा दर्ज करने की अनुमति मांगी गई थी। शासन की मंजूरी मिलने पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

33 वर्ष बाद खुला फर्जीवाड़ाः पिता कभी न रहे शिक्षक, बेटे ने ली मृतक आश्रित में नौकरी, अब वेतन वसूली की तैयारी

बागपत , एजेंसी। बागपत घिटौली के संविलियन विद्यालय में प्रधानाध्यापक विष्णुदत्त शर्मा की 33 साल पुरानी फर्जी नियुक्ति का खुलासा हुआ है। जांच में पाया गया कि उनके पिता बाबूराम शर्मा कभी शिक्षा विभाग में शिक्षक रहे ही नहीं। इसी आधार पर बीएसए गीता चौधरी ने उनकी सेवा समाप्त कर दी है और पूरी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। विष्णुदत्त शर्मा को 31 दिसंबर 1991 को मेरठ जिले के जानी के परिषदीय प्राथमिक विद्यालय में मृतक आश्रित के तहत सहायक अध्यापक पद पर नियुक्ति मिली थी। बाद में पदोन्नति पर वह घिटौली के संविलियन विद्यालय में आ गए। जनवरी 2024 में शिकायतकर्ताओं श्यामसुंदर शर्मा और जगवीर शर्मा ने आरोप लगाया कि मृतक आश्रित नियुक्ति फर्जी है। जांच में सामने आया कि विष्णुदत्त के पिता बाबूराम शर्मा की मौत 1972 में दिखाई गई, मगर मृत्यु प्रमाण पत्र 1991 में बनवाया गया और उस पर पंजीकरण संख्या भी नहीं थी।झ बीएसए ने बताया कि बाबूराम शर्मा को ढिकौली के प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक बताने का दावा भी झूठा निकला। वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी में उस समय बाबूराम नाम के तीन शिक्षक जरूर थे, लेकिन वे अन्य स्कूलों में तैनात थे। विष्णुदत्त शर्मा अपने पिता की नौकरी से जुड़े कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। जांच रिपोर्ट के आधार पर विष्णुदत्त शर्मा की सेवा समाप्त कर दी गई है। अब उनसे 33 साल 8 महीने का पूरा वेतन वसूलने के आदेश भी जारी होने वाले हैं। विष्णुदत्त शर्मा का पक्ष मेरी सेवाएं गलत तरीके से समाप्त की गई हैं। यह शिकायत पहले भी 2013, 2016 और 2019 में हुई थी और हर बार जांच मेरे पक्ष में रही। मुझे गांव की रंजिश के चलते फंसाया गया है। अब मैं हाईकोर्ट में याचिका दायर करूंगा।

बीएसए गीता चौधरी का बयान - जांच में यह साफ हुआ कि बाबूराम शर्मा कभी शिक्षा विभाग में शिक्षक नहीं रहे। विष्णुदत्त शर्मा की नियुक्ति पूरी तरह फर्जी पाई गई। इसी आधार पर उनकी सेवा समाप्त कर दी गई है।

पैसे बचाने के लिए लगाई कम कीमत की टाइल्स

जौनपुर, एजेंसी। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक शुक्रवार को जौनपुर दौरे पर आए हैं। पुलिस लाइन में उतरने के बाद वह ट्रांजिस्ट हॉस्टल के दो ब्लॉक के चल रहे निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किए। जहां टाइल्स और उसके बीच में गैप देख कर नाराजगी जाहिर किए। टाइल्स के कंपनी की जानकारी हासिल करने के बाद बोले पैसे बचाने के चक्कर में कम कीमत की टाइल्स लगाई गई है। यही हाल रहा तो आगे चलकर इसमें काला पड़ जाएगा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बिजली के काम को देखा। साथ ही आईएसआई मार्का का ही सामान उपयोग में लिया गया है की नहीं, के बाबत जानकारी हासिल की। साथ ही संबंधित एक्सपर्ट से इसकी जांच कर रिपोर्ट देने को कहा। इसके पहले लखनऊ से साथ आए भाजपा बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने हेलीकॉप्टर में ही उन्हें पीली नदी पर प्रकाशित पुस्तक भेंट की। डिप्टी सीएम जनपद में विकास कार्यों का सच देख रहे हैं। डिप्टी सीएम ने जिला अस्पताल, निर्माणाधीन जिला कारागार का निरीक्षण भी किया। भाजपा के पार्टी कार्यालय पहुंचे। यहां पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। फिर कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचे। जहां अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे और यहां से लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस जाएंगे। जहां से सिरकोनी विकास खंड के अमदहां में बने गौ आश्रम स्थल का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद दोपहर बाद वाराणसी के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

यूपी में दर्दनाक हादसाः जौनपुर में ट्रक से कुचलकर दो सगे भाइयों की मौत, बहन को सामान पहुंचाने आ रहे थे दोनों

जौनपुर, एजेंसी। जौनपुर जिले के खुटहन थाना क्षेत्र के धमौर नसीबसराय बाजार में बृहस्पतिवार को ट्रक से कुचलकर बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। जबकि चालक की तलाश कर रही है।

कैसे हुआ हादसा -आजमगढ़ जिले के बरदह थाना क्षेत्र के जीवली गांव निवासी रंजीत यादव की बेटी कुमारी श्रेयांसी इमामपुर बाजार में किराये के कमरे में रहकर यहां एक इंस्टीट्यूट में पढ़ाई करती है। शाम लगभग साढ़े सात बजे श्रेयांसी के सगे भाई प्रियांशू (19) और आयुष यादव (11) घर से खाद्यान्न व अन्य सामान लेकर बाइक से पहुंचाने आ रहे थे। दोनों भाई धमौर नसीबसराय में पहुंचे थे तभी सामने से तेज गति से आ रहा ट्रक उन्हें रौंदते हुए निकल गया। घटनास्थल पर ही दोनों भाइयों की मौत हो गई। घटना को लेकर श्रेयांसी ने थाने में तहरीर दिया है। उधर, थानाध्यक्ष चंदन राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। जबकि ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

जिले के अस्पतालों में पहुंचे बुखार के 544 मरीज

अलीगढ़ , एजेंसी। जिले में बुखार का प्रकोप बढ़ रहा है। मौसम में परिवर्तन से वायरल बुखार की वजह से शरीर में टूटन, हाथ-पैर में दर्द की समस्या बढ़ती जा रही है। बागला जिला अस्पताल की ओपीडी में बृहस्पतिवार को बुखार के 285 मरीज पहुंचे। वहीं जिले भर की सीएचसी पर बुखार के 259 मरीज पहुंचे। इस तरह एक दिन में ही बुखार के 544 मरीज अस्पतालों में पहुंचे। बारिश के बाद तेज धूप निकलने के दौरान ठंडे पदार्थों के सेवन के चलते बुखार तेजी से बढ़ रहा है। शहर के बागला जिला अस्पताल में सुबह से बुखार के मरीजों की कतार लग गई।

भतीजी को परेशान कर रहे युवक की रेकी करने आया चाचा, पब्लिक ने चोर समझकर पीटाज्पुलिस ने बचाया

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में भतीजी को परेशान कर रहे युवक की रेकी करने आए चाचा को पब्लिक ने चोर समझकर पीट दिया। उसके हाथ बांधकर एक किलोमीटर तक पैदल घुमाया। भतीजी ने चिल्लाकर चाचा के बारे में बताया तब भी लोगों ने विश्वास नहीं किया।

उसे भी चोर समझ कर बदसलूकी करने लगे। पुलिस के आने पर भीड़ ने दोनों को छोड़ा। घायल चाचा को मेडिकल के लिए सीएससी कल्याणपुर भेजा गया है।

नौबस्ता निवासी रविंद्र कुमार का परिवार मसवानपुर गत्ता फैक्ट्री के पास रहता है। यहां मां भाई की पत्नी और भतीजी रहती है। परिजनों के मुताबिक मोहल्ले का एक लड़का भतीजी को परेशान कर रहा था। इसी को लेकर शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे नौबस्ता निवासी उसके चाचा महिला के लिबास में सूट पहनकर उसकी रेकी कर रहे थे। चेहरे पर पर्दा डाले हुए थे।

इसी दौरान कुछ लोगों को शक हुआ, तो उन्होंने पर्दा हटाने को कहा। महिला के लिबास में पुरुष देखकर लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने उसे पीटना शुरू कर दिया।

हाथ बांधकर एक किलोमीटर तक घुमाया। किसी दौरान चाचा के बेटे को स्कूल भेजने जा रही भतीजी भी वहां आ गई। उसने भीड़ से उन्हें छुड़ाने के लिए बोला, लेकिन किसी ने एक नहीं सुनी। पुलिस बल ने किसी तरह माहौल शांत कराया।

बेटे को बचाने गई मां की हमलावरों ने पीट– पीटकर की हत्या, वारदात को अंजाम देकर मौके से भागे

गाजीपुर, एजेंसी। गाजीपुर जिले के कासिमाबाद कोतवाली क्षेत्र के पाली गांव में बृहस्पतिवार की रात दबंगों के हमले से पुत्र को बचाने गई मां की हमलावरों ने पीट- पीटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर हमलावर मौके से भाग गए। पुत्र की तहरीर पर पुलिस छानबीन में जुटी हुई है।ये है पूरा मामला जिले के पाली गांव निवासी विधिचंद्र प्रजापति ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बृहस्पतिवार की रात करीब 11 बजे गांव के ही दो दबंग युवक पहुंचे और विधिचंद्र से पैसा मांगने लगे। पैसा देने से इनकार करने पर गाली देने के साथ ही मारपीट करने लगे। दबंगों के हमले से विधिचंद्र गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा।

डीआरएम ने जाना यात्री सुविधाओं का हाल

अलीगढ़ , एजेंसी। उत्तर मध्य रेलवे के हाथरस जंक्शन स्टेशन के साथ हाथरस किला स्टेशन का बृहस्पतिवार को मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज रजनीश अग्रवाल ने निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रेनों के संचालन की व्यवस्था के साथ यात्री सुविधाओं और साफ-सफाई की स्थिति देखी। मौके पर पहुंचे समाजसेवियों ने ट्रेनों के ठहराव व विस्तार की मांग की।

बृहस्पतिवार की दोपहर को हाथरस जंक्शन स्टेशन पहुंचे डीआरएम ने स्टेशन पर बने प्रतीक्षालय में यात्रियों की समस्याएं सुनीं। समाजसेवी व मंडलीय रेल परामर्शदात्री समिति के सदस्य रामगोपाल दीक्षित ने स्टेशन के फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का निर्माण तेज करने की बात कही। वहीं देहरादून लिंक एक्सप्रेस का हाथरस जंक्शन

पर ठहराव बहाल करने, अलीगढ़ स्टेशन पर रुकने वाली एक ईएमयू पैसेंजर को हाथरस किला तक विस्तारित करने की भी बात कही।

स्टेशन पर कैंटीन के बंद होने की जानकारी डीआरएम को दी गई। एक महिला कैंटीन संचालक की समस्या भी डीआरएम ने सुनी। डीआरएम ने आमजनों से ऑनलाइन टिकट खरीदकर कतार में लगने के झंझट से बचने की अपील की। हाथरस किला स्टेशन का उन्होंने व्यापारिक दृष्टिकोण से निरीक्षण करते हुए स्टेशन की कमाई बढ़ाए जाने के उपायों पर अधीनस्थों से चर्चा की। डीआरएम ने अन्य ट्रेनों के संचालन व एचएडी ट्रेन में कोच बढ़ाने के संबंध में कोई प्रस्ताव न होने की बात कही।

अवैध वेंडरों के सवाल पर साधी चुप्पी डीआरएम रजनीश अग्रवाल ने ट्रेनों व प्लेटफॉर्म से एक साथ पकड़े गए अवैध वेंडरों के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि रेलवे मजिस्ट्रेट स्तर से अवैध वेंडरों पर कार्रवाई की जाती है, लेकिन एक साथ इतने अवैध वेंडरों का संचालन कैसे हो रहा है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है, इस सवाल पर वह चुप्पी साधते हुए इतना ही बोले कि आपको सब मालूम है।

मंत्री के घर के सामने की सड़क बना दी घटिया, शासन ने बैठाई जांच

अलीगढ़, एजेंसी। यूपी के शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के घर के सामने बनाई जा रही सड़क में भी घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया। इतना ही नहीं नाला सड़क से ऊंचा बना दिया गया। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की शिकायत के बाद शासन ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी है। समिति इस मामले की जांच 30 सितंबर तक पूरी करके शासन को सौंपेगी।

स्मार्ट सिटी योजना के तहत मैरिस रोड पर 12 करोड़ रुपये की लागत से अब्दुल्ला कॉलेज से केला नगर चौराहे तक 800 मीटर की सड़क को चौड़ा करने और दोनों तरफ नाला निर्माण करने का काम किया जा रहा है। एक

वर्ष पहले काम शुरू हुआ था। इस काम को कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेस (सीएनडीएस) के द्वारा किया जा रहा है। धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य के साथ ही नाला निर्माण की खामियों की बात नगर निगम तक लोगों ने पहुंचाई थी। इसके साथ ही निर्माण की घटिया गुणवत्ता के भी आरोप लगाए गए थे। इसके बाद नगर आयुक्त ने निर्माण की जांच कराए जाने की मांग शासन से की थी।

अब सीएनडीएस के निदेशक डीपी सिंह ने मामले की जांच के लिए मुख्य महाप्रबंधक एसके गौतम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है। यह समिति मानकों के विपरीत नाले के निर्माण के साथ ही घटिया निर्माण की भी जांच करेगी। यहां पर जो नाला निर्माण किया गया है उसका लेवल सड़क से बहुत ही उंचा कर दिया गया है। जब यह बात सार्वजनिक रूप से चर्चा में आई तो नाले की दीवारों को काटकर छोटा किया जाने लगा। इससे और भी किरकिरी हुई। जिसके बाद नगर निगम ने मामले की शिकायत शासन में की।

दो बसों की टक्कर में 20 यात्री घायल, मची अफरातफरी घायलों का अस्पताल में कराया गया भर्ती

महाराजगंज , एजेंसी। गोरखपुर महाराजगंज मार्ग पर अगया के पास दो बसों की टक्कर हो गई। इसमें तीसरी बस भी अनियंत्रित होकर गड्ढे के किनारे चली गई। इस दुर्घटना में 20 से अधिक यात्रियों को घायल होने की बात कही जा रही है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को महाराजगंज बस स्टेशन से यात्री बस गोरखपुर के लिए रवाना हुई। तेज बारिश हो रही थी, इस बीच गोरखपुर से आ रही बस अनियंत्रित होकर टकरा गई।

यही नहीं पीछे से आ रही तीसरी बस भी अनियंत्रित होकर गड्ढे के किनारे चली गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस सहित एंबुलेंस को सूचना दी।

इसके बाद बचाव राहत कार्य शुरू हुआ। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बचाव राहत कार्य में आसपास के लोगों ने काफी मदद की।

भिटौली थानाध्यक्ष मदन मोहन मिश्रा ने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल भेजा जा रहा है।

खौफनाक मौत पंखे का प्लग लगाते समय लगा करंट,तड़प–तड़प कर महिला की चली गई जान

मैनपुरी, एजेंसी। मैनपुरी के किशनी क्षेत्र के फरेंजी गांव में गुरुवार देर शाम पंखा लगाते समय 50 वर्षीय महिला मीरा देवी की करंट लगने से मौत हो गई। परिजनों ने उन्हें तत्काल किशनी सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पति शिव रतन सिंह ने पुलिस को तहरीर दी, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। शिव रतन सिंह ने अपनी तहरीर में ट्रांसफार्मर में खराबी के कारण हाईटेंशन लाइन का करंट घर में उतरने का आरोप लगाया है। हालांकि, चौराईपुर बिजलीघर के जूनियर इंजीनियर देवेंद्र सिंह ने इस दावे को खारिज किया है। उन्होंने बताया कि हाईटेंशन लाइन का करंट सीधे घरों में नहीं उतर सकता है। यदि ऐसा होता तो ट्रांसफार्मर खराब हो जाता, जबकि गांव में विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है। एसडीओ विद्युत शेर सिंह ने बताया कि अगर हाईटेंशन लाइन का करंट घरों में आता तो पहले मीटर फुंक जाता और अन्य घरों में उपकरण फुंक जाते।जिस ट्रांसफॉर्मर से मृतक के घर की केबिल आ रही है वह सही हालत में है।

महाभारतकालीन लाक्षागृह का एक करोड़ से होगा विकास ऐतिहासिक पर्यटन स्थल के रूप में किया जाएगा विकसित

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पर्यटन विभाग महाभारत सर्किट के अंतर्गत बागपत स्थित महाभारतकालीन स्थल लाक्षागृह का समेकित पर्यटन विकास करेगा। इसके लिए एक करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। बड़ौत के बरनावा गांव में हिंडन और कृष्णा नदी के संगम पर स्थित यह स्थल महाभारत काल का ऐतिहासिक गवाह माना जाता है।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विभाग लाक्षागृह जैसे महाभारतकालीन ऐतिहासिक स्थल को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर प्रमुखता से स्थापित करेगा। यहां कौरवों ने पांडवों को जिंदा जलाने के लिए लाख का घर बनवाया था। उन्होंने कहा कि इस स्थल के संरक्षण और विकास से बागपत धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर और सशक्त होगा।

20 लाख से अधिक पर्यटक आने की संभावना– उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत यहां पर सौंदर्यीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, सूचना

केंद्र और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। ताकि पर्यटक यहां पर आकर पूरा समय दे सकें। इस साल यहां पर 20 लाख से अधिक पर्यटक आने की संभावना है।

बागपत में अभी ये पवित्र स्थल हैं– उन्होंने कहा कि जिले में लाक्षागृह, पुरा महादेव, जैन धर्मावलंबियों का त्रिलोक तीर्थ धाम सहित कई पवित्र स्थल हैं। सरकार का प्रयास है कि इन स्थलों को विश्व पर्यटन गंतव्य को और अधिक सशक्त तरीके से स्थापित किया जाए, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की पहचान एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में और मजबूत हो सके।

पहले मैंने चावल की मिल खोली थी, आज उद्योग का मंत्री हूं; एमएसएमई मंथन में बोले- मंत्री नंदी

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू के मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र में आयोजित एमएसएमई मंथन में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा, मैंने सबसे पहले चावल की मिल लगाई थी। धीरे-धीरे सफर बढ़ा और आज उद्योग का मंत्री हूं। हर एक शुरुआत छोटे से ही होती है। युवा अधिक से अधिक इंडस्ट्री लगाने का प्रयास करें।

मंत्री ने उद्यमियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है कि भारत दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो। यूपी की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर होगी। आज जब दुनिया भर में मारकाट मची है तो भारत और खासकर उत्तर प्रदेश इंडस्ट्री और इन्वेस्टमेंट के लिए सबसे अच्छा डेस्टिनेशन बनकर उभरा है।

25 करोड़ की आबादी यूपी की है। यहां पर सबसे बड़ा खपत का बाजार है। 1134 किमी नदियों का किनारा है। यहां पानी भी है और उपजाऊ जमीन भी। धान का कटोरा भी यहीं है। उत्पादकता में भी यूपी आगे है। 4 लाख किमी सड़क का नेटवर्क और 16 हजार किमी रेल नेटवर्क है। ऐसे में उद्यम और उद्योग की यहां अनगिनत संभावनाएं हैं।

उद्यमी समाधान दिवस आयोजित कर समस्याएं सुलझाई जाएं– मंत्री नंदी ने कहा कि ऐसा नहीं है कि आईएएस या मंत्री के पास ही सारी जानकारी हो। हम आप मिलकर भी जानकारियों को साझा कर सकते हैं। यूपीसीडा के सभी आरएम कार्यालय पर उद्यमी समाधान दिवस का आयोजन किया जाए। सभी स्टेक होल्डर्स और नए उद्यमियों को बुलाकर बैठक की जाए।

उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए। इससे पूरे प्रदेश को एक साथ लाभ होगा। अलीगढ़, कानपुर, अयोध्या, नोएडा समेत कई जगहों पर बैठक की गई। समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर खत्म किया गया। ऐसे स्टेक होल्डरों की बैठकों में ही कई समस्याएं सामने आती हैं और समाधान से रास्ते तलाशे जाते हैं।

एयर कनेक्टिविटी में यूपी भारत में नंबर एक–पहले यूपी में सिर्फ बनारस और लखनऊ एयरपोर्ट थे। लेकिन, अब 16 घरेलू और पांच अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं। एयर कनेक्टिविटी में हम भारत में नंबर एक पर हैं। इसमें अच्छा काम किया तो एक्सप्रेस-वे बनाने की जिम्मेदारी मिली। 16 जुलाई 2022 को बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। इसके बाद पूरे देश के कुल एक्सप्रेस-वे का 37 फीसदी से ज्यादा यूपी में हो गया। 594 किमी मेरठ से प्रयागराज तक 6 लेन का एक्सप्रेस-वे लगभग बन चुका है। एक महीने में जब भी पीएम समय देंगे, इसका भी उद्घाटन हो जाएगा।

सिग्नेचर ऑफ उत्तर प्रदेश– एशिया का सबसे बड़ा जेवर एयरपोर्ट बनकर तैयार है। सिर्फ लाइसेंसिंग की औपचारिकता चल रही है। वाराणसी से हल्दिया तक वाटरवे अब प्रयागराज तक बढ़ाने की तैयारी चल रही है। वित्तमंत्री कहती हैं कि सिग्नेचर ऑफ उत्तर प्रदेश यानी कि यूपी में एक्सप्रेस-वे का जाल बिछा है। पिछले 8 वर्षों में जवाबदेही, पारदर्शिता ने सेक्टर को नई ऊंचाई और नए आयाम दिए हैं। इसके साथ ही पारंपरिक हुनर संरक्षित हुए हैं। कुटीर उद्योग समृद्ध हुए है। एमएसएमई हमारी नींव है।

स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा तो निश्चित रूप से उद्योग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन आएगा। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस अभियान को तीव्र गति से आगे बढ़ाया है।

पिछले 8 वर्षों में जवाबदेही, पारदर्शिता, समयबद्धता, अनुकूल नीति और स्टेक होल्डर्स के हितों की सुरक्षा ने एमएसएमई सेक्टर को नई ऊंचाई दी। साथ ही पारंपरिक हुनर भी संरक्षित किया गया है।

गांगुली, हरभजन, मोरे या फिर कोई चौंकाने वाला नाम? बीसीसीआई अध्यक्ष पर फैसला 20 सितंबर को

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड का अगला मुखिया कौन होगा, यह सवाल एक बार फिर सुर्खियों में है. औपचारिक चुनाव 28 सितंबर की एजीएम में होंगे, लेकिन असली फैसला 20 सितंबर की रात दिल्ली में होने वाली बैठक में निकलने की संभावना है.

भारतीय क्रिकेट में 28 सितंबर बड़ा दिन साबित हो सकता है, जब बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोल्ड) अपनी वार्षिक आम सभा में नए पदाधिकारियों का चुनाव करेगा. हालांकि असली फैसला उससे पहले ही हो जाने की उम्मीद है. सूत्रों के मुताबिक, 20 सितंबर की रात दिल्ली में होने वाली अहम बैठक में बीसीसीआई की अगली कमान किसे मिलेगी, इसका रास्ता साफ हो जाएगा. अध्यक्ष के तौर पर रोजर बिन्नी का कार्यकाल जुलाई में उनके 70 वर्ष के होने पर समाप्त हो गया था. बिन्नी को अक्टूबर 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और बोर्ड के संविधान में इस पद के लिए 70 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित है.

दिल्ली की बैठक में बीसीसीआई के भविष्य की तस्वीर तय की जाएगी. अबकी बार सौरव गांगुली का नाम चर्चा में है. हरभजन सिंह और कर्नाटक के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर रघुराम भट्ट का भी जिक्र है. वहीं, पूर्व विकेटकीपर किरण मोरे का नाम भी उछला है. भले ही मोरे का नाम आधिकारिक सूची में न हो, लेकिन राज्य संघों के प्रतिनिधि बदलने का प्रावधान इस अटकल को हवा देता है.

इंडिया-ए-ऑस्ट्रेलिया-ए

देवदत्त पडिक्कल की धमाकेदार वापसी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने भारत की ए टीम में वापसी

करते हुए शतक लगा दिया. उन्होंने शुक्रवार को लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपना सातवां फर्स्ट क्लास शतक लगाया. गुरुवार के अपने 86 रन के स्कोर को आगे बढ़ते हुए पडिक्कल ने चौथे दिन यानी शुक्रवार की सुबह केवल 20 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. उनकी इस पारी से भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया ए की पहली पारी के 532/6 के विशाल स्कोर के करीब पहुंच.

पडिक्कल ने इस दौरान अपने 3000 फर्स्ट क्लास रन भी पूरे किए. उन्होंने 74वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की. 25 साल के पडिक्कल मई के बाद से केवल अपना दूसरा प्रतिस्पर्धी मैच खेल रहे हैं. वह आईपीएल 2025 में चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा थे.

चेन्नई ओपन 2025:

श्रीलंका के एन थंगराजा शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई, एजेंसी। श्रीलंका के एन. थंगराजा गुरुवार को यहां कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये इनामी चेन्नई ओपन 2025 के तीसरे राउंड में टूर्नामेंट के न्यूनतम स्कोर नौ अंडर 63 की बराबरी करते हुए लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए। तीसरे राउंड को मूविंग डे के रूप में भी जाना जाता है। थंगराजा (69-66-63), जो मध्यांतर तक संयुक्त चौथे स्थान पर थे, ने तीसरे दिन अच्छी शुरुआत की और तीन स्थान ऊपर चढ़कर 18-अंडर 198 के स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त बना ली। पीजीटीआई में पांच बार विजेता रहे थंगराजा, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अपनी आखिरी जीत हासिल की थी, अब दूसरे स्थान पर काबिज मनु गंडास के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू कर रहे हैं, जिन्होंने तीन साल पहले चेन्नई ओपन में पिछले दिन पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए थंगराजा को हराया था। यह प्रतियोगिता भी कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में ही खेली गई थी। गुरुग्राम के मनु गंडास (66-68-65) ने त्रुटिरहित 65 का स्कोर बनाकर एक स्थान का सुधार किया और 17-अंडर 199 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य (67-65-69) तीसरे दिन 69 का स्कोर बनाने के बाद 15-अंडर 201 के स्कोर के साथ एक स्थान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गए।

चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा, जो एक शॉट से आधे रास्ते पर आगे चल रहे थे, गुरुवार को 71 के अपने राउंड के बाद 14-अंडर 202 के स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर खिसक गए। अक्षय के साथ हनी बैसोया (66) संयुक्त चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले, अधूरा दूसरा राउंड एक ओवर 145 के स्कोर के साथ पूरा हुआ। 57 पेशेवर खिलाड़ियों ने कट हासिल किया। इसके बाद स्थानीय समयानुसार सुबह 9:10 बजे से तीसरा राउंड फिर से शुरू हुआ। 44 वर्षीय कोलंबो निवासी एन. थंगराजा ने तीसरे दिन शानदार 63 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने टूर्नामेंट के सबसे कम स्कोर की बराबरी कर ली, जो अक्षय शर्मा ने पहले राउंड में और अनंत सिंह अहलावत ने दूसरे राउंड में बनाया था। थंगराजा के राउंड में 16वें राउंड में एक ईगल, आठ बर्डी और एक बोगी शामिल थी। उन्होंने अपने आयरन और वेजेज का बेहतरीन इस्तेमाल किया, जिससे उन्हें चार टैप-इन मिले, एक ईगल के लिए और तीन बर्डी के लिए। दिन का उनका सबसे लंबा पुट पांचवें राउंड में 20 फुट का बर्डी रूपांतरण था। थंगराजा ने कहा, आज मेरे अप्रोच शॉट और वेज शॉट बिलकुल सही थे। पहले दो राउंड में मुझे अपनी पुट लगाने में थोड़ी दिक्कत हुई, लेकिन आज यह ज्यादा मजबूत था, हालांकि मैंने ज्यादा लंबे पुट नहीं लगाए। उन्होंने कहा, मैं इस स्थान से अच्छी तरह वाकिफ हूं और इस जगह पर अपने घर जैसा महसूस करता हूं, क्योंकि मैंने पहले भी यहां अच्छा प्रदर्शन किया है। तीन साल बाद एक ही जगह पर लीडर ग्रुप में मनु के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना बहुत अच्छा है। मैं इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं क्योंकि मैं अपने खेल को लेकर अच्छा महसूस कर रहा हूं, पिछले चार इवेंट्स में टॉप-15 में रहा हूं।

अपने नौवें पीजीटीआई खिताब और डेढ़ साल में पहली जीत की तलाश में लगे मनु गंडास ने गुरुवार को सात बर्डी के साथ खुद को एक दावेदार के रूप में घोषित किया।

हैंडशेक विवाद पर भड़के कपिल देव, पाकिस्तान को दी नसीहत

हाथ मिलाने पर नहीं, क्रिकेट पर ध्यान दें

दुबई, एजेंसी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें। एशिया कप 2025 के दौरान ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा की तरह हाईवोल्टेज रहा।

रविवार को दुबई में खेले गए मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। हालांकि, मैच के बाद असली सुर्खियां टीम इंडिया के खिलाड़ियों के फैसले ने बटोरीं। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में लौट गई। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान ने तो इस पर विवाद खड़ा कर दिया। उसने आईसीसी तक से शिकायत कर दी। हालांकि, उन्हें ही आईसीसी से मुंह की खानी पड़ी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें।

कपिल देव ने दी टीम इंडिया को बधाई

कपिल देव ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम पिछले 20 वर्षों से बहुत अच्छा खेल रही है। हमारी क्रिकेट बहुत संगठित है और आईसीसी टूर्नामेंट्स में हमेशा शानदार प्रदर्शन करती है। मुझे पूरी उम्मीद है कि टीम इंडिया एशिया कप 2025 जीतेगी।

पहलगाम हमले के बाद पहला मुकाबला: यह मुकाबला पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों टीमों के बीच पहला मैच था। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया और कहा कि टीम पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ खड़ी है।

कपिल देव का बयान: टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा- ये सब छोटी-छोटी बातें हैं। ध्यान क्रिकेट खेलने पर होना चाहिए। अगर कोई हाथ नहीं मिलाना चाहता है तो इसे बड़ा मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। दोनों तरफ से बेवजह बयानबाजी करना ठीक नहीं है। पाकिस्तान ने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। उन्हें अपने खेल पर काम करना चाहिए। यह व्यक्तिगत पसंद है कि कोई हाथ मिलाना चाहता है या गले लगाना।

टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन: भारत ने इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 127/9 के स्कोर पर रोक दिया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

कप्तान सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को आराम से जीत दिलाई। यह भारत की ग्रुप स्टेज में लगातार दूसरी जीत थी। भारत और पाकिस्तान का सामना 21 सितंबर को फिर से होना है। सुपर-फोर स्टेज में यह मुकाबला खेला जाएगा।

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप में जो कमाल किया है, उसके बाद सचिन यादव का नाम अब जुबां से जाएगा नहीं. सचिन यादव भले ही मेडल नहीं जीत पाए लेकिन जो किया है, उससे जैवलिन में भारत की उम्मीदों की लौ को और रोशनी दे दी है.

टोक्यो के जिस स्टेडियम में नीरज चोपड़ा ने साल 2020 में भारत को ओलंपिक का गोल्ड मेडल दिलाया था. उसी जगह पर 2025 में सचिन यादव ने देश का परचम बुलंद किया है. उन्होंने एक बार नहीं, दो बार नहीं बल्कि तीन बार इतनी दूर तक भाला फेंक दिया, जितनी दूर नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम जैसे चैंपियन भी नहीं फेंक पाए. हालांकि, बहुत कम ही लोग ये जानते होंगे सचिन यादव के जैवलिन थ्रोअर बनने की कहानी.

क्रिकेट मैच के दौरान जिसने देखा, उसने जैवलिन की तरफ मोड़ा: सचिन यादव को जैवलिन की ओर मोड़ने वाले उनके एक पड़ोसी और साथी संदीप यादव थे. उन्होंने ही सचिन को अपने गांव में एक दोस्ताना मैच के दौरान देखा था. जब संदीप ने सचिन को देखा तो वो गेंदबाजी कर रहे थे और उनकी स्पीड भी अच्छी थी. वो देख संदीप यादव इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने सचिन को भाला फेंकने की सलाह दी. उन्होंने सचिन से कहा था कि उनकी कद-काठी लंबी है और कंधे की स्पीड भी अच्छी है. ऐसे में उन्हें भाला फेंकना चाहिए. सचिन के मुताबिक शुरू-शुरू में तो संदीप यादव ने ही उन्हें प्रशिक्षण दिया. लेकिन, फिर उन्हीं की सलाह पर ही उन्होंने नई दिल्ली जाकर जैवलिन थ्रो के जाने-माने कोच नवल सिंह के अंदर ट्रेनिंग लेनी शुरू की. नवल सिंह, संदीप यादव के तो कोच रह ही चुके थे, उसके अलावा उन्होंने ओलंपियन शिवपाल सिंह. पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल और नवदीप सिंह जैसे खिलाड़ियों को कोचिंग दी है.

इंजरी और सर्जरी भी सचिन का इरादा नहीं तोड़ पाई: सचिन यादव के लिए हालांकि जैवलिन में भारत को रिप्रजेन्ट करने का काम इतना भी आसान नहीं रहा. इस बीच इंजरी और परफॉर्मेन्स से वो लगातार जूझते रहे. साल 2021 तक सचिन यादव का हाल ऐसा था कि वो 70 मीटर की दूरी तक नहीं छू पाए. लेकिन फिर उसी साल उनकी कोहुनी में ऐसी इंजरी हुई कि उन्हें सर्जरी करानी पड़ी. हालांकि, उन मुश्किलों को सचिन यादव ने अपने लिए बाधा नहीं बनने दिया.

चाईना मास्टर्स:

सिंधू चाइना मास्टर्स से बाहर, कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 38 मिनट में सीधे गेमों में हारीं

शेनझेन, एजेंसी। कोरिया के खिलाड़ी ने मैच में शानदार खेल दिखाया और पीछे मुड़कर नहीं देखा और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू का विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और वह शुक्रवार को यहां चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में इस कोरियाई खिलाड़ी से सीधे गेम में हार गई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली 23 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 38 मिनट में 14-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू की आन के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार थी। वह कोरिया की खिलाड़ी के खिलाफ अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई

हैं। सिंधू की शुरुआत खराब रही और वह पहले गेम में एक समय 1-6 से पीछे चल रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने स्कोर 5-9 कर लिया। आन ने हालांकि ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। सिंधू 11-14 पर स्कोर को करीब लाने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी और पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधू ने कुछ देर के लिए 3-2 की बढ़त बना ली, लेकिन आन ने जल्द ही नियंत्रण हासिल कर लिया। भारतीय खिलाड़ी ने आक्रामक खेल से बढ़त बनाने की कोशिश की और एक समय वह 7-8 से पीछे चल रही थीं, लेकिन आन के बेहतरीन खेल और विविधता ने उन्हें ब्रेक तक 11-7 से आगे कर दिया। कोरिया के खिलाड़ी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई।

मैच रेफरी से पंगा लेना पाकिस्तान को पड़ेगा भारी... आईसीसी लगा सकती है जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में पाकिस्तानी टीम खेल से ज्यादा दूसरी वजहों से सुर्खियां बटोर रही है. पाकिस्तानी टीम ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मुकाबले से पहले खूब नाटक किया. पाकिस्तान की ओर से मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की गई थी. इसे इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने खारिज किया था. फिर पाकिस्तान ने टूर्नामेंट से हट जाने की धमकी दी, लेकिन 70 मिनट में ही सरेंडर कर दिया और यूएई के खिलाफ मुकाबला खेलने उतरी.

अब आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी कर रही है. आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने पीसीबी को आधिकारिक रूप से एक ईमेल भेजा है. पाकिस्तानी टीम ने आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया, जिसका जिक्र इसमें किया गया है. आईसीसी पीसीबी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है.

एशिया कप खेल रहे वेलालगे के पिता का निधन...

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका ने अफगानिस्तान को छह विकेट से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर-चार स्टेज में एंट्री ले ली. श्रीलंका के साथ-साथ ग्रुप-बी से बांग्लादेश भी अगले राउंड में पहुंच गया. जबकि

अफगानिस्तान की टीम बाहर हो गई. ग्रुप-ए से भारत और पाकिस्तान की टीम्स पहले ही सुपर-चार स्टेज के लिए क्वालिफाई कर चुकी थी. 18 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में हुए इस मुकाबले के दौरान श्रीलंकाई स्पिनर डुनिथ वेलालगे के लिए मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह बेहद कठिन पल रहे. पहले तो 22 वर्षीय वेलालगे के आखिरी ओवर में मोहम्मद नबी ने लगातार पांच छक्के लगाए. वही मैच के बाद उन्हें काफी दुखद खबर मिली. डुनिथ वेलालगे के पिता सुरंगा वेलालगे का हार्ट अटैक से निधन हो गया.

एशिया कप: श्रीलंका से 6 विकेट से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 के ग्रुप बी के आखिरी लीग मैच में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हरा दिया। गुरुवार को शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मैच में कुसाल मेंडिस के बेहतरीन अर्धशतक के दम पर श्रीलंका ने 6 विकेट से मैच जीता। हार के साथ ही अफगानिस्तान एशिया कप 2025 से बाहर हो गई। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 22 के स्कोर पर पाथुम निसांका का विकेट खो दिया। अहम मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज कुसाल मेंडिस ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 52 गेंद पर 10 चौके की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद रहे। मेंडिस को कुसाल परेरा (20 गेंद पर 28 रन), चरिथ असालंका (12 गेंद पर 17 रन) और कामिंदु मेंडिस (13 गेंद पर 26 रन) का अच्छा सहयोग मिला। श्रीलंका ने 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 171 रन बनाए। अफगानिस्तान अपनी गेंदबाजी, खासकर स्पिन के लिए जानी जाती है। इस मैच में टीम के अनुभवी स्पिनर राशिद खान और नबी किफायती रहे लेकिन विकेट लेने में सफल नहीं रहे। नबी ने 3 ओवर में 20 रन देकर 1 विकेट लिया। राशिद ने 4 ओवर में 23 रन दिए, लेकिन विकेट नहीं ले सके। नूर अहमद, उमरजई और मुजीब उर रहमान को 1-1 विकेट मिला। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की स्थिति बेहद खराब थी। टीम ने

12.1 ओवर में 79 रन पर अपने 6 विकेट गंवा दिए थे। मोहम्मद नबी ने राशिद खान के साथ सातवें विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी की। राशिद 23 गेंद पर 24 रन बनाकर आउट हुए। राशिद का जब विकेट गिरा उस समय अफगानिस्तान का स्कोर 17.1 ओवर में 114 रन पर 7 विकेट था। इसके बाद मोर्चा नबी ने संभाला। 19 ओवर में नबी ने 17 रन बटोरे। 19 ओवर की समाप्ति के बाद अफगानिस्तान का स्कोर 7 विकेट पर 137 रन था। 20वां ओवर लेकर डुनिथ वेल्लालेग आए। नबी ने इस ओवर में लगातार 5 छक्के लगाए। इस दौरान 20 गेंद पर उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा किया। आखिरी गेंद पर दो रन लेने की कोशिश में वह रन आउट हो गए। आखिरी ओवर में 32 रन बने। नबी ने 22 गेंद पर 6 छक्के और 3 चौके की मदद से 60 रन की यादगार पारी खेल अफगानिस्तान का स्कोर 8 विकेट पर 169 तक पहुंचा दिया। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 14 और सेदिकुल्लाह अटल 18 रन बनाकर आउट हुए। इब्राहिम जादरान ने 27 गेंद पर 24 रन बनाए। दरवेश रसूली 9 और अजमतुल्ला उमरजई 6 रन बनाकर आउट हुए। नूर अहमद 6 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा ने अफगानिस्तान की बल्लेबाजी कमर तोड़ दी। 31 साल के इस गेंदबाज ने 4 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए। तुषारा ने गुरबाज, अटल, जन्नत और राशिद खान का विकेट लिया।